आज का विचार

कोहरा तो यूं ही बदनाम है साहब। नजरिया तो अपनी सोच ने धुंधला कर रखा है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। शनिवार, 21 मार्च, 2026 | वर्ष 24, अंक 70, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मान सरकार की अगुवाई में ए.आई. क्रांति किसानों की आय बढ़ाकर पंजाब के भविष्य को सुरक्षित करेगी

खेती अब लाभदायक नहीं रही, किसानों को संकट से बचाने के लिए ए.आई. बेहद जरूरी: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता

लुधियाना

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को पंजाब की खेती के लिए अगला निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने तर्क दिया कि पारंपरिक खेती अपनी सीमाओं तक पहुंच चुकी है और इससे अब किसानों की आय को बनाए रखना संभव नहीं है। खेती में तकनीकी हस्तक्षेप के पक्ष में मजबूत दलील देते हुए उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य घटते मुनाफे को बढ़ाना, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करना और किसानों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर राजनीतिक निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों की वर्षों की अनदेखी के कारण पंजाब संकट की ओर बढ़ा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अब किसानों, बुनियादी ढांचे और कल्याण पर केंद्रित सुधार आधारित नीतियों के साथ राज्य का पुनर्निर्माण कर रही है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) में राज्य स्तरीय किसान मेले को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब देश का अन्नदाता है, जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। 1960 के दशक की हरित क्रांति के दौरान राज्य के मेहनती किसानों ने एक नया अध्याय लिखा। हालांकि, देश की सेवा करते हुए राज्य के किसानों ने उपजाऊ मिट्टी और पानी जैसे कीमती प्राकृतिक संसाधनों की कुबार्नी दी है।

उन्होंने खेती में बढ़ते संकट का जिक्र करते हुए कहा, मुनाफे का मार्जिन घटने के कारण खेती अब लाभदायक नहीं रही और किसान अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मौजूदा फसल तकनीकों की उत्पादन क्षमता लगभग समाप्त हो गई है। कृषि आय बढ़ाने और संसाधनों पर निर्भरता कम करने के लिए खेती में एआई को लागू करना आवश्यक है।

इस कदम के फायदों के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह तकनीक किसानों को यह बताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी कि कौन सी फसल कब बोनी है ताकि लाभ और उत्पादकता दोनों बढ़ाई जा सके। पंजाब हमेशा नवाचार को अपनाने में अग्रणी रहा है और एआई इस क्षेत्र में क्रांति लाएगा। किसानों के हितों की रक्षा के लिए इसकी शुरूआत समय की मांग है। किसान-पक्षीय पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, पहली बार धान के सीजन के दौरान खेतों के ट्यूबवेलों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई।

किसानों को अब सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली मिल रही है, जिससे उनकी जिंदगी बदल रही है। पंजाब के किसानों को देश में सबसे अधिक गन्ने का मूल्य मिल रहा है, जो 416 रुपये प्रति क्विंटल है। हर साल गेहूं और धान की खरीद के लिए किसानों को लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता है और यह राशि 24 घंटे के भीतर सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा की जाती है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच नहरों की लाइनिंग, मरम्मत और आधुनिकीकरण पर 6,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में 300 प्रतिशत अधिक है। 2022 में नहर सिंचाई का उपयोग 20.90 लाख एकड़ में होता था और अब यह बढ़कर 58 लाख एकड़ हो गया है।

सिंचाई के विस्तार पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, नहरों की सिंचाई क्षमता दोगुनी हो गई है, सिंचित क्षेत्र 2022 में 2.23 मिलियन एकड़ से बढ़कर 2025 में 5.8 मिलियन एकड़ हो गया है। 15,539 नहरों की सफाई की गई है और 18,349 खालों को बहाल किया गया है। दशकों बाद नहर का पानी 1,444 गांवों तक पहुंचा है। इसके अलावा, 545 किलोमीटर में फैली 101 बंद पड़ी नहरों को पुनर्जीवित किया गया है और फिरोजपुर फीडर नहर को रिकॉर्ड 35 दिनों में अपग्रेड किया गया, जिससे इसकी क्षमता में 2,682 क्यूसेक की वृद्धि हुई है।

आगे कहा कि 75 वर्षों बाद सरहिंद नहर को अपग्रेड किया गया है, जिससे इसकी क्षमता 2,844 क्यूसेक बढ़ गई है। 22 किलोमीटर लंबी सरहाली माइनर नहर, जो दशकों से जमीन के नीचे दब गई थी, को खोजकर फिर से चालू किया गया है।

भाखड़ा नहर की क्षमता 9,500 क्यूसेक है, लेकिन हमने आपूर्ति बढ़ाकर इसे 10,000 क्यूसेक कर दिया है, जिससे बिना एक इंच जमीन लिए प्रभावी रूप से एक नई नहर बनाई गई है। दशकों से किसान सिंचाई के लिए पानी की बारी पर निर्भर थे, लेकिन अब यह प्रणाली समाप्त हो गई है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और अन्य भी उपस्थित थे।

अंत्योदय के लक्ष्य के साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध सरकार: सैनी

संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत संत शिरोमणि श्री गुरु लाधुनाथ जी महाराज को किया नमन

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नायक समाज सदियों से मेहनत, ईमानदारी और सामाजिक समरसता का प्रतीक रहा हैं। इस समाज ने हर कठिन परिस्थिति में अपनी पहचान और संस्कृति को बनाए रखा है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर पर संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत आयोजित संत शिरोमणि श्री गुरु लाधुनाथ जी महाराज के जयंती समारोह पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान संत शिरोमणि श्री लाधुनाथ महाराज जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन भी किया। इस दौरान उनके साथ जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को नायक समाज के प्रबुद्ध लोगों ने पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित जनसमूह को नवरात्रों तथा संत लाधुनाथ महाराज जी की जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री लाधुनाथ महाराज जी की जयंती हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक एकता का उत्सव है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ थे, जिन्होंने समाज को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। उन्होंने अपने पूरे जीवन में मानवता की सेवा को ही अपना धर्म माना। संत लाधुनाथ महाराज जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, भेदभाव और अज्ञानता को दूर करने के लिए अथक प्रयास किए। उनका मानना था कि 'मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।' वे जीव हत्या के घोर विरोधी थे, उन्होंने लोगों को जीव हत्या न करने का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत लाघुनाथ महाराज जी ने 47 वर्ष की आयु में बीकानेर जिले के मसूरी गांव में समाधि ली। वे आज भी समाज की चेतना में जीवित हैं। इस गांव में हर साल उनकी याद में लगने वाला मेला लोगों में उनके प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। यह मेला राजस्थान का तीसरा सबसे बड़ा मेला है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नायक समाज का बड़ा गौरवशाली इतिहास है। इस समाज का इतिहास वीरता, त्याग और संघर्ष से भरा है। इन्होंने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ होने वाले संघर्षों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। निमाड़ के आदिवासी योद्धा भीमा नायक, कोल विद्रोह के नेता बुधु भगत और दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य के योद्धा नरसा नायक की वीरता की कहानियां आज लोक कथाओं के रूप में प्रचलित हैं। हरियाणा में सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, हांसी की कई क्रांतिकारी घटनाओं में नायक समाज के सक्रिय योगदान के प्रमाण मिलते हैं। नायक समाज बधाई के पात्र हैं कि वे संत लाधुनाथ महाराज जी की वाणियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैश अवार्ड व मासिक छात्रवृत्ति स्कीम के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के 2 लाख 56 हजार 968 विद्यार्थियों को 95 करोड़ 76 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। साथ ही मासिक छात्रवृत्ति स्कीम के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं में पढ़ रहे बी.पी.एल. वर्ग के 58 हजार 817 विद्यार्थियो को 9 करोड़ 99 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 11वीं के अनुसूचित जाति के 9 हजार 90 विद्यार्थियों को 3 करोड़ रुपये की लागत से मुफ्त साईकिलें सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई है। वहीं, अनुसूचित जाति के 1 लाख 1 हजार 69 विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति के रूप में 10 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि दी गई।

घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर, पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध : केन्द्र सरकार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केन्द्र सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया के हालात के बीच देश की सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। लगभग 7500 उपभोक्ताओं ने एलपीजी से पीएनजी (पेट्रोलियम प्लैज) पर स्विच कर लिया है। युद्ध के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घेरलू गैस वितरकों के पास किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है।

राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित दैनिक पत्रकार वार्ता में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पर्याप्त कच्चे तेल और एलपीजी स्टॉक के साथ रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं। लगभग 93 प्रतिशत बुकिंग ऑनलाइन हैं और डिलीवरी प्रमाणित हो चुकी है। उपभोक्ताओं को पीएनजी की ओर रुख करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन प्राप्त हुआ है। पिछले सप्ताह अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को 11,300 टन की आपूर्ति की गई है। कालाबाजारी रोकने के लिए नियंत्रण कक्षों, जिला समितियों के साथ-साथ तेल विपणन कंपनियां निरीक्षण के माध्यम से निगरानी तेज कर दी गई है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराकर बुकिंग न करें, आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और घर पर डिलीवरी का इंतजार करें। सरकार आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में वृद्धि के संबंध में संयुक्त सचिव ने कहा कि सामान्य पेट्रोल की कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। केवल प्रीमियम श्रेणी के पेट्रोल की कीमत में थोड़ी वृद्धि हुई है और वह भी प्रतिदिन बिकने वाले कुल पेट्रोल का मुश्किल से 2-4 प्रतिशत है।

नागरिकों के घर वापसी की सराहना की

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बीच ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की और पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए संवाद, तनाव कम करने और शांति पर जोर दिया। उन्होंने ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की कड़ी निंदा की, जबकि सभी पक्षों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन और निरंतर समन्वय के लिए समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने इन नेताओं को त्योहारी शुभकामनाएं भी दीं और भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए मिले समर्थन की सराहना की। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के साथ भी इसी तरह की चर्चा हुई, जिसमें स्थिरता, माल और ऊर्जा के निर्बाध पारगमन और निरंतर समन्वय के लिए साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

ममता ने विधानसभा चुनाव के लिए जारी किया घोषणापत्र, कई वादे किए

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने आगामी दो चरणों में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 10 प्रमुख वादों के साथ अपना चुनाव घोषणापत्र जारी किया।

पार्टी ने सत्ता में लगातार चौथी बार वापसी की स्थिति में कई सामाजिक और आर्थिक योजनाओं को मजबूत करने का वादा किया है। घोषणापत्र में सबसे प्रमुख वादा लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर किया गया है। इसके तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं को मिलने वाली मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 1500 रुपये और आरक्षित वर्ग की महिलाओं के लिए 1700 रुपये करने का वादा किया गया है। युवाओं के लिए बंगाल युवा साथी योजना के तहत माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को नौकरी मिलने तक हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। पार्टी ने यह भी वादा किया है कि दोबारा सत्ता में आने पर राज्य के हर परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। कृषि क्षेत्र के लिए 30 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करने की बात कही गई है, जिसमें कृषि पर निर्भर परिवारों को आर्थिक सहायता और भूमिहीन किसानों के लिए विशेष पैकेज देने का आश्वासन शामिल है।।

घोषणापत्र में प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत सात नए जिले बनाने और शहरी निकायों की संख्या बढ़ाने का भी वादा किया गया है ताकि नागरिक सुविधाओं में सुधार हो सके।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौजूदा पेंशन योजनाओं को बिना बाधा जारी रखने और अधिक पात्र लोगों को इसके दायरे में लाने की बात कही गई है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एआई निगरानी और क्यूआर एंट्री सिस्टम लागू होगा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेल भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और स्टेशन प्रबंधन से जुड़े उपायों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुधारों की शुरूआत करते हुए इन्हें समयबद्ध तरीके से लागू करने के निर्देश दिए। रेल मंत्रालय के अनुसार बैठक में स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन, प्रवेश नियंत्रण, तकनीक आधारित निगरानी और यात्री सुविधा बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। ये सभी सुधार पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लागू किए जाएंगे और बाद में अन्य स्टेशनों पर विस्तार किया जाएगा।

स्टेशन परिसर में एआई आधारित कैमरा नेटवर्क स्थापित किया जाएगा, जो प्लेटफॉर्म, प्रवेश-निकास द्वार और संवेदनशील क्षेत्रों की चौबीसों घंटे निगरानी करेगा। एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां एआई के जरिए असामान्य गतिविधियों की तुरंत पहचान कर अलर्ट जारी किया जाएगा। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की तैनाती भी बढ़ाई जाएगी। स्टेशन पर कार्यरत सभी रेलवे और गैर-रेलवे कर्मचारियों के लिए रंग-कोडेड फ्लोरोसेंट जैकेट और अनिवार्य पहचान पत्र लागू किए जाएंगे,

जिससे यात्रियों और सुरक्षा एजेंसियों को कर्मचारियों की पहचान में आसानी होगी।

दीपावली और छठ पूजा के दौरान संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर क्यूआर कोड आधारित प्रवेश प्रणाली शुरू की जाएगी। इससे केवल वैध टिकटधारकों को ही स्टेशन में प्रवेश मिलेगा और भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। यात्रियों को बेहतर अंतिम मील कनेक्टिविटी देने के लिए रेलवन ऐप को भारत टैक्सी के साथ जोड़ा जाएगा। यह पहल स्टेशन के बाहर अव्यवस्था कम करने और पारदर्शी परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में मदद करेगी। देश के 76 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया विकसित किए जा रहे हैं, जहां अनारक्षित यात्री नियंत्रित तरीके से प्लेटफॉर्म पर प्रवेश कर सकेंगे। साथ ही स्पष्ट साइनज और बेहतर ट्रेन सूचना प्रणाली भी विकसित की जाएगी। रेल मंत्रालय द्वारा इन सुधारों की सीधे निगरानी की जाएगी ताकि देश के व्यस्त रेलवे स्टेशनों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यात्री अनुकूल बनाया जा सके।

नौ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति, उत्तर प्रदेश बना देश की कनेक्टिविटी का ग्रोथ इंजन: योगी

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

देश के 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे के साथ यूपी बना एक्सप्रेस-वे हब

उत्तर प्रदेश ने बीते 09 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज करते हुए खुद को देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल कर लिया है। प्रदेश में सड़क, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, रेल, जलमार्ग, ऊर्जा और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर काम हुआ है।

प्रदेश में सड़क नेटवर्क के विस्तार ने विकास की दिशा तय की है। वर्ष 2017 के बाद से 63,383 किलोमीटर सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया है, जबकि 35,433 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कर गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया है। प्रतिदिन औसतन 19 किलोमीटर सड़क निर्माण की रफ्तार प्रदेश की तेज प्रगति को दशार्ती है। इसके साथ ही 1,740 पुलों का निर्माण कर आवागमन को और सुगम बनाया गया है। तहसील और ब्लॉक मुख्यालयों को बेहतर सड़कों से जोड़ने का व्यापक कार्य भी पूरा किया गया है।

उत्तर प्रदेश आज देश के एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का प्रमुख केंद्र बन चुका है। देश के कुल एक्सप्रेसवे का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा प्रदेश में स्थित है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे जैसे प्रोजेक्ट्स ने क्षेत्रीय असमानताओं को कम करते हुए कनेक्टिविटी को नई दिशा दी है। गंगा एक्सप्रेस-वे, जिसका लगभग 99 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ने वाला एक ऐतिहासिक प्रोजेक्ट साबित होने जा रहा है। इसके अलावा विन्ध्य एक्सप्रेस-वे जैसी नई परियोजनाएं भी विकास के दायरे को और विस्तारित करेंगी।

हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में प्रदेश में 16 एयरपोर्ट संचालित हैं, जिनमें 04 अंतर्राष्ट्रीय हैं। जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का एक प्रमुख एविएशन हब बनने की दिशा में अग्रसर है। इसके शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बन जाएगा, जिससे पर्यटन, व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। रेल और जलमार्ग के क्षेत्र में भी प्रदेश ने अपनी स्थिति मजबूत की है।

करीब 16,000 किलोमीटर लंबे रेल नेटवर्क के साथ उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े रेल नेटवर्क वाले राज्यों में शामिल है। वहीं,

11 राष्ट्रीय जलमार्गों का जुड़ाव इसे लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में नई पहचान दे रहा है। वाराणसी में देश का पहला मल्टी मॉडल टर्मिनल और 100 एकड़ में विकसित फ्रेट विलेज प्रदेश को निर्यात और माल ढुलाई का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं। जल क्षेत्र में भी बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार किया गया है। इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश आज मजबूत, आधुनिक और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ एक नए विकास मॉडल के रूप में उभर रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार ने न केवल आम नागरिकों के जीवन को सुगम बनाया है, बल्कि उद्योग, निवेश और रोजगार के लिए भी नए द्वार खोले हैं। प्रदेश अब इंफ्रास्ट्रक्चर के दम पर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आम नागरिकों के जीवन को आसान बना

राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव सिंह गौड़ ने कहा डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी का व्यापक विस्तार हुआ है। शानदार सड़क नेटवर्क और तेजी से हो रहा निर्माण आम नागरिकों के जीवन को आसान बना रहा है। यही कारण है कि प्रदेश आज सर्वोत्तम बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश ने नई पहचान बनाई

अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि योगी सरकार के 09 वर्ष विकास, विश्वास और सुशासन के प्रतीक हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने नई पहचान बनाई है। आज प्रदेश निवेश और विकास के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है।

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी से शीतलहर, अटल टनल में वाहनों की आवाजाही बंद, कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश में मार्च के महीने में मौसम के कड़े मिजाज बने हुए हैं और कई हिस्सों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। राजधानी शिमला सहित मैदानी और निचले इलाकों में बीते दो दिनों से सर्द हवाओं के साथ बारिश हो रही है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार बर्फबारी दर्ज की जा रही है।

मौसम विभाग ने चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, लाहौल-स्पीति और किन्नौर के ऊंचे इलाकों में आज भारी बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 26 मार्च तक मौसम खराब बना रह सकता है।

जनजातीय जिला लाहौल स्पीति और कुल्लू में हालात सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अटल टनल के आसपास भारी बर्फबारी के चलते करीब तीन फीट तक बर्फ जम चुकी है। इसके कारण फिलहाल सभी प्रकार के वाहनों के लिए टनल को बंद कर दिया गया है। कुल्लू प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर वाहनों को केवल नेहरूकुंड तक ही जाने की अनुमति दी है। आगे की आवाजाही मौसम साफ होने और सड़कों की स्थिति सामान्य होने के बाद ही बहाल की जाएगी। सोलंग नाला और आसपास के क्षेत्रों में भी लगातार बर्फ गिर रही है।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी मौसम का असर साफ दिख रहा है। कुल्लू जिले में पिछले तीन-चार दिनों से ऊंची पहाड़ियों पर ताजा बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है। कई जगह भूस्खलन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें भी बंद हो गई हैं। इनर अखाड़ा बाजार में भूस्खलन से कुछ मकानों पर खतरा मंडराने लगा है और इसे देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन घर खाली करवा दिए हैं।

बिलासपुर, ऊना, सिरमौर, सोलन, मंडी और हमीरपुर में भी बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। मंडी में गुरुवार शाम से बारिश हो रही है, जिससे पूरा जिला शीतलहर की चपेट में आ गया है। वहीं चम्बा और कांगड़ा के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में बारिश से ठंड में इजाफा हुआ है।

पिछले 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कई स्थानों पर अच्छी खासी बर्फबारी दर्ज की गई है। गोंदला में 21 सेंटीमीटर, हंसा में 25 सेंटीमीटर, कल्पा में 17 सेंटीमीटर, केलंग में 15 सेंटीमीटर और कुकुमसेरी में 13.2 सेंटीमीटर बर्फ गिरी है। इसके अलावा मनाली में 57 मिमी और पालमपुर में 49.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो इस मौसम के हिसाब से काफी अधिक मानी जा रही है।

तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। शिमला में आज न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मनाली में यह 3 डिग्री तक पहुंच गया। कई अन्य स्थानों पर भी पारा सामान्य से नीचे बना हुआ है, जिससे ठंड का असर बढ़ गया है और लोग एक बार फिर गर्म कपड़ों का सहारा लेने को मजबूर हैं।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज भी कई इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है। अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है, क्योंकि एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर रहा है।

राज्य के अन्य प्रमुख शहरों के न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो सुंदरनगर 11.5, भुंतर 8.5, धर्मशाला 9.2, ऊना 12.7, नाहन 9.5, पालमपुर 9.0, सोलन 10.0, मनाली 3.0, कांगड़ा 12.6, मंडी 11.3 और बिलासपुर 13.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

हिमाचल में अधिकारियों-कर्मचारियों के सेवा विस्तार के 124 प्रस्ताव मंजूर, शुरूआती 7 महीनों में 12 को मिला एक्सटेंशन

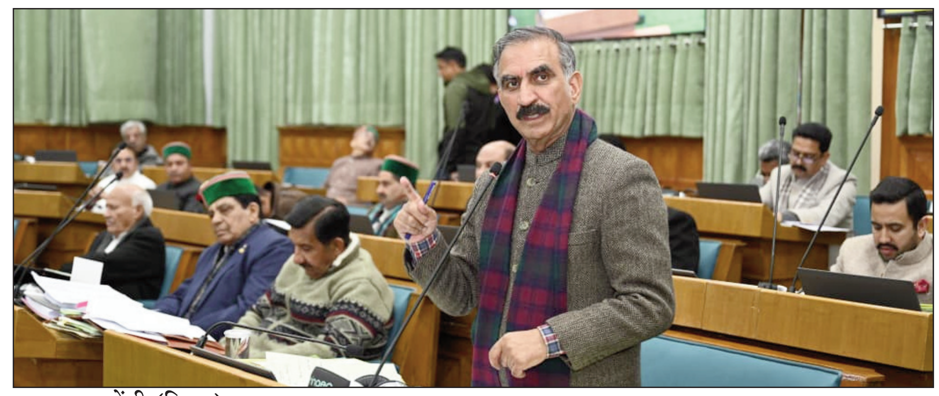

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को दिए जा रहे सेवा विस्तार को लेकर राज्य सरकार ने विधानसभा में जानकारी साझा की है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा विधायकों जनक राज, रणधीर शर्मा, इंद्रदत्त लखनपाल और सुधीर शर्मा के लिखित सवाल के जवाब में शुक्रवार को बताया कि कांग्रेस सरकार के गठन के बाद शुरूआती सात महीनों में कुल 12 अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा विस्तार दिया गया। सरकार के अनुसार यह सेवा विस्तार पांच अलग-अलग विभागों में दिया गया। इनमें स्वास्थ्य विभाग में सबसे अधिक आठ अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा विस्तार मिला। इसके अलावा प्रशासनिक सुधार संगठन, बहुउद्देशीय परियोजना एवं ऊर्जा विभाग, कार्मिक विभाग और श्रम एवं रोजगार विभाग में एक-एक अधिकारी को सेवा विस्तार प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 1 जनवरी 2023 से 31 जुलाई 2024 के बीच वित्त विभाग को सेवा विस्तार और पुनर्नियुक्ति से जुड़े कुल 134 प्रस्ताव विभिन्न विभागों से प्राप्त हुए थे। इन प्रस्तावों की जांच और निर्धारित प्रक्रिया के बाद 124 मामलों को मंजूरी दे दी गई, जबकि दो प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया गया। वहीं आठ मामलों में संबंधित विभागों से अतिरिक्त जानकारी मांगी गई थी, जिसके कारण वे उस समय लंबित रहे। सरकार के मुताबिक 7 अगस्त 2024 तक वित्त विभाग में सेवा विस्तार से जुड़ा कोई भी मामला लंबित नहीं था, यानी सभी प्रस्तावों पर निर्णय ले लिया गया था।

मुख्यमंत्री ने अपने जवाब में यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में किसी भी ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) को कैबिनेट रैंक नहीं दिया गया है।

बारामूला के गांवों में एलपीजी की कमी, निवासियों को परेशानी

एजेंसी (हि.स.)

बारामूला

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के कई गांवों को एक सप्ताह से अधिक समय से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति में व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है जिससे निवासी संकट में हैं। कलंत्रा और आसपास के गांवों जैसे दानमू और सातेरसेरन के निवासियों ने कहा कि उन्हें एक सप्ताह से अधिक समय से एलपीजी की आपूर्ति नहीं मिली है, उनका आरोप है कि संबंधित एचपी गैस एजेंसी अपने डोर-टू-डोर वितरण रोस्टर का पालन नहीं कर रही है जिससे उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है। कलांतरा के निवासी इशफाक अहमद ने कहा कि हमें मंगलवार को आपूर्ति मिलने वाली थी लेकिन यह नहीं आई। यह बुधवार या गुरुवार को भी नहीं आई क्योंकि लोग अपने सिलेंडरों के साथ कतारों में इंतजार करते रहे और खाली हाथ घर लौट गए। उन्होंने कहा कि कमी के कारण सैकड़ों परिवारों को खाना पकाने की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई महिलाओं ने खाना पकाने के लिए जलाऊ लकड़ी का उपयोग करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम एचपी गैस एजेंसी के कर्मचारियों को फोन कर रहे हैं लेकिन या तो उनके नंबर बंद हैं या वे उपभोक्ताओं के कॉल रिसीव नहीं करते हैं। यह हमारे साथ अन्याय है। स्थानीय लोगों ने यह भी शिकायत की कि अगर सरकार दावा करती है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है तो उन्हें आपूर्ति क्यों नहीं मिल रही है उन्होंने आरोप लगाया कि अगर उपभोक्ताओं तक आपूर्ति नहीं पहुंच रही है तो कालाबाजारी हो रही है उन्होंने कहा कि ईद-उल-फितर एक दिन दूर है और हमारे घर में गैस नहीं है। बिजली की आपूर्ति कम वोल्टेज है इसलिए हम खाना भी नहीं बना सकते। अब हमें क्या करना चाहिए हमें तत्काल आधार पर एलपीजी की जरूरत है।

शिमला में नाबालिग चोर गिरोह का भंडाफोड़, डीजल-बैटरियां चोरी करते चार पकड़े

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

शिमला जिले में पुलिस ने नाबालिग चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को पकड़ा है। ये सभी आरोपी सड़क निर्माण में लगी मशीनों से डीजल और बैटरियां चोरी कर रहे थे। पुलिस ने मौके से दो पिकअप गाड़ियां भी बरामद की हैं।

पुलिस के मुताबिक आज तड़के करीब 3 बजे थाना सुन्नी को सूचना मिली कि एक सड़क निर्माण कंपनी की साइट पर चोरी हुई है। यह सूचना साइट इंचार्ज टेकचंद ने दी, जो बीपीएम नाम की कंपनी से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि कुछ लोग मशीनों से डीजल और बैटरियां निकालकर ले गए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आसपास तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान पुलिस को दो पिकअप गाड़ियां (ल्ढ30-5790 और ल्ढ06इ-5527) मौके पर खड़ी मिलीं, जिन्हें जब्त कर लिया गया। पुलिस की मौजूदगी देखकर तीन आरोपी पास की ढांक (खाईनुमा जगह) में उतर गए। उन्हें बाहर निकालना आसान नहीं था, लेकिन पुलिस टीम ने जोखिम उठाते हुए रस्सियों की मदद से तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला और हिरासत में लिया। वहीं चौथे आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

पुलिस ने मौके पर ही शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए और थाना सुन्नी में केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(1) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। एसएसपी शिमला का कहना है कि मामले की जांच जारी है और यह पता लगाने की गौरव सिंह का कहना है कि कोशिश की जा रही है कि इस गिरोह के पीछे कोई और लोग तो शामिल नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नगरोटा बगवां में 51.92 ग्राम चिट्टे सहित पंजाब का युवक गिरफ्तार

धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान के अन्तर्गत नगरोटा बगवां पुलिस की विशेष टीम द्वारा गश्त के दौरान एक नशा तस्कर को 51.92 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में विशाल कुमार पुत्र विशम वैर कुमार निवासी वार्ड नम्बर-7 गांधीनगर कैम्प, रेलवे लाईन बटाला, जिला गुरदासपुर, पंजाब उम्र 24 साल के रूप में हुई है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि उपरोक्त आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया तथा इसके विरुद्ध पुलिस थाना नगरोटा बागंवा में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही नियमानुसार प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान में लगातार गश्त, नाकाबन्दी, गुप्त सूचना के आधार पर टीम गश्त पर थी तो आता चला कि आरोपी कयास्थवाडी रेन शैटलर के अन्दर खड़ा है, जिसके पास काफी मात्रा में चिटटा हैं।

संक्षिप्त-समाचार

गांदरबल में मोटरसाइकिल की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत

गांदरबल। शुक्रवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के लार इलाके में एक मोटरसाइकिल की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि वलीवार निवासी इरफान अहमद मीर द्वारा चलाई जा रही मोटरसाइकिल ने लार निवासी गुलाम हसन तेली को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में वलीवार निवासी अरशीद अहमद नाम का पीछे बैठा व्यक्ति भी घायल हो गया और उसे इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

एक गोजातीय तस्करी की प्रयास विफल, जम्मू पुलिस ने 10 गोवंश को बचाया

जम्मू। ऑपरेशन कामधेनु के तहत अपने अभियान को जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने पीपी मनवाल के अधिकार क्षेत्र में एक गोवंश तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया और 10 गोजातीय जानवरों को बचाया। विश्वसनीय सूचना पर पीपी मनवाल की एक पुलिस टीम ने धार रोड पर जेडा में नाका लगाया। एक आयशर लोड कैरियर (जेके06 सी-2434) जो बट्टल धार रोड से कश्मीर की ओर आ रहा था ने नाका तोड़कर भागने का प्रयास किया लेकिन उसका पीछा किया गया और उसे रोक लिया गया। चेकिंग के दौरान 10 गोवंश बिना अनुमति के लदे पाए गए। जानवरों को बचा लिया गया और वाहन जब्त कर लिया गया। इस संबंध में थाना झज्जर कोटली में धारा 223 बीएनएस और धारा 11 पीसीए अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 35/2026 दर्ज की गई है।

कई ऊंचे इलाकों में बर्फबारी, श्रीनगर-कारगिल हाईवे समेत कई रणनीतिक मार्ग बंद

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के कई ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण सड़क संपर्क टूट गया है। श्रीनगर-कारगिल हाईवे और अन्य रणनीतिक मार्गों सहित मुख्य सड़कों को बंद करना पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर-कारगिल हाईवे पर यातायात रोक दिया गया है। भारी बर्फ जमा होने और कम विज़िबिलिटी (दृश्यता) के कारण एहतियातन हाईवे को बंद कर दिया गया है। लगातार बर्फबारी के कारण सड़क फिसलन भरी और खतरनाक हो गई है। जोजिला कॉरिडोर में अभी भी बर्फबारी जारी है, जिससे विज़िबिलिटी काफी कम हो गई है और संवेदनशील इलाकों में हिमस्खलन का खतरा बढ़ गया है। सड़क बंद होने से कश्मीर और कारगिल क्षेत्र के बीच सड़क संपर्क टूट गया है। सीमा सड़क संगठन सहित सड़क साफ करने वाली एजेंसियां स्थिति पर नजर रख रही हैं और मौसम में सुधार होते ही बर्फ हटाने का काम शुरू कर देंगी। इस बीच राजदान दर्रे से होकर जाने वाली बांदीपोरा-गुरेज सड़क को भी ताजा बर्फबारी के कारण बंद कर दिया गया है। लगभग 85 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर अगले आदेश तक यातायात रोक दिया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वित्त वर्ष में हिमाचल को 504.29 करोड़ रुपए जारी : प्रताप जाधव

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप जाधव ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिमाचल प्रदेश को 504.29 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखण्ड जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए क्रमशः 572.66 करोड़ , 480.71 करोड़, 1,953.77 करोड़ , 254.54 करोड़ , 563.15 करोड़ 669.32 करोड़, 141.86 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं। उन्होंने यह जानकारी राज्य सभा सांसद इंदु गोस्वामी को उनके द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में सदन में दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सर्वाधिक राशि उत्तर प्रदेश के लिए 5,027.46 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं जबकि सबसे काम राशि 10.55 करोड़ रुपए लक्ष्यद्वीप के लिए जारी की गई है।

उपराज्यपाल के निर्देश पर लेह को विश्व स्तरीय पर्यटन शहर में बदलने का अभियान शुरू

एजेंसी (हि.स.)

लेह

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के निर्देश पर लेह शहर में व्यापक स्वच्छता एवं शहरी सुधार अभियान शुरू किया गया है।संबंधित सरकारी एजेंसियों ने शहर के प्रमुख क्षेत्रों में सड़कों के किनारे जमा धूल, निर्माण और विध्वंस कचरे को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर दिए हैं।

प्रारंभिक चरण में लोक निवास, सचिवालय, लेह मुख्य बाजार, जीवत्सल और आसपास के क्षेत्रों सहित प्रमुख स्थानों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है।

साथ ही व्यापक पौधरोपण की तैयारी चल रही है। शहर की हरियाली और सौंदर्य को बढ़ाने के लिए इन क्षेत्रों में गड्ढे खोदे जा रहे हैं।इस एकीकृत दृष्टिकोण का उद्देश्य न केवल स्वच्छता में सुधार करना है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी सौंदर्यीकरण में भी योगदान देना है। यह पहल सक्सेना की 15 मार्च को लेह बाजार और पुराने लेह शहर की यात्रा के बाद शुरू की गई है, जिसमें उन्होंने स्वच्छता, बुनियादी ढांचा विकास और समग्र शहरी प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए व्यापक और निरंतर प्रयास करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे।

उपराज्यपाल सक्सेना स्वयं कार्यों की प्रगति की निगरानी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि इस तरह के समन्वित और दृढ़ प्रयासों से लेह में स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटक-अनुकूल शहरी वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। लद्दाख के लिए अपने दृष्टिकोण को दोहराते हुए उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख को विश्व के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में स्थापित करने करना आवश्यक है।प्रशासन ने नागरिकों, स्थानीय हितधारकों और पर्यटकों से इस पहल में सक्रिय रूप से सहयोग और भागीदारी करने का आग्रह किया है, ताकि इसकी दीर्घकालिक सफलता और निरंतरता सुनिश्चित हो सके।

भारी बर्फबारी के बाद बीआरओ ने जम्मू में मुगल, बसोहली-भद्रवाह सड़कों पर बर्फ हटाने का काम तेज

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

भारी बर्फबारी के कारण जम्मू क्षेत्र के कई हिस्सों में यातायात बाधित होने के कारण सीमा सड़क संगठन ने मुगल रोड और बसोहली-बानी-भद्रवाह सड़क पर बर्फ हटाने का काम तेज कर दिया है ।मंगलवार को क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद जम्मू क्षेत्र के सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाली मुगल रोड को वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि भारी बर्फबारी के बाद पुंछ में मुगल रोड से संपर्क बाधित होने के बाद बर्फ हटाने का काम चल रहा है।सीमा सड़क संगठन की 79 आरसीसी टीम मार्ग को तेजी से फिर से खोलने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है' उन्होंने कहा कि बीआरओ की 52 आरसीसी ने हिरपोरा से पीर की गली तक सड़क साफ कर दी है गुरुवार रात को भारी बर्फबारी के कारण ऑपरेशन मुश्किल हो गया था। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट 'संपर्क' के तहत बीआरओ की सीमा सड़क टास्क फोर्स ने मुगल रोड पर भारी बर्फ में फंसी एक एसयूवी की बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए एक अभियान भी चलाया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बर्फबारी के बाद बसोहली-बनी-भद्रवाह सड़क पर यातायात बाधित होने के बाद बीआरओ ने सफाई अभियान तेज कर दिया है।

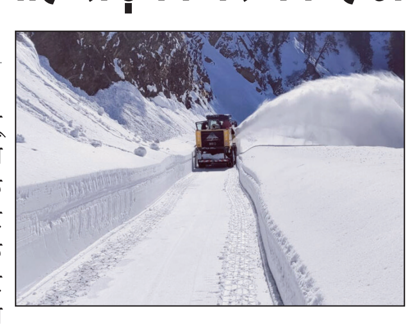

अधिकारियों ने बताया कि भारी बर्फबारी के बाद बसोहली-बनी-भद्रवाह सड़क पर यातायात बाधित होने के बाद बीआरओ ने सफाई अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई। उन्होंने बताया कि भारी बर्फबारी के कारण डोडा जिला पिछले दो दिनों से कठुआ से कटा हुआ है यातायात बहाल करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों और मशीनरी की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि रियासी जिले में रियासी-माहोर रोड पर मलाई नाला में बड़े पैमाने पर भूस्खलन को हटाने के लिए एक और ऑपरेशन चल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि रियासी-अरनास-माहोर सड़क पर चस्साना, मलाई नाला और कंसौली में कई भूस्खलन हुए हैं और मार्ग को साफ करने के लिए बीआरओ द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

35 ग्राम चिट्टे के मामले में फरार चल रहे दो मुख्य तस्कर पालमपुर से धर दबोचे

एजेंसी (हि.स.)

धर्मशाला

कांगड़ा जिला के पालमपुर पुलिस थाना में बीते 10 जनवरी 2026 को पालमपुर पुलिस द्वारा पकड़े गए 35 ग्राम चिट्टे के मामले में अन्य दो मुख्य तस्करों को गिरफ्तार किया है। अब इस मामले में पकड़े गए आरोपियों की संख्या चार हो गई है। पुलिस ने इस मामले में अब दो अन्य मुख्य आरोपियों इन्द्रजीत सिंह पुत्र राय सिंह निवासी गांव रोड़ी डाकघर ठाकुरद्वारा तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश व उम्र 32 साल व शिवा ठाकुर पुत्र रमेश ठाकुर निवासी वार्ड नम्बर-1 गांव व डाकघर गुग्गा सलोह तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा व उम्र 32 साल को पालमपुर से गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि बीते 10 जनवरी आदित्य बरयाल सुपुत्र सुभाष चन्द बरयाल निवासी गांव रोडी तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा से गांव रोडी के पास 35 ग्राम हैरोईन सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया था तथा इसके विरुद्ध पुलिस थाना पालमपुर में मादक पदार्थ

अधिनियम के अन्तर्गत मामला दर्ज किया गया था। उपरोक्त आरोपी से गहन पूछताछ, तकनीकी विश्लेषण व ट्रांजेक्शन हिस्ट्री से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सुराग मिला कि उक्त आरोपी ने बरामद हैरोईन लक्ष्य पठानिया सुपुत्र बलजिन्दर सिहं मकान नम्बर 1966, गली नम्बर 4 इन्दिरापुरी तजपुर रोड, लुधियाना पंजाब से ली थी। पुलिस ने आगामी कार्रवाई करते हुए बीते 16 मार्च को मुख्य तस्कर लक्ष्य पठानिया को शाम के समय पालमपुर से गिरफ्तार किया। वहीं उससे पूछताछ के आधार पर फरार चल रहे अब दो मुख्य आरोपियों को भी पालमपुर से ही धर दबोचा है, जिनके खिलाफ आगामी कार्रवाई चल रही है।

एलएसडी ड्रग तस्करी में संलिप्त चार पुलिसकर्मी रिमांड पर

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

शिमला में सामने आए एलएसडी ड्रग तस्करी मामले ने पुलिस विभाग के भीतर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब एक करोड़ रुपये की अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत वाली एलएसडी की खेप से जुड़े इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार पुलिसकर्मियों को अदालत ने चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। जांच एजेंसियां अब इनसे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश कर रही हैं।

शिमला पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी पुलिसकर्मी स्पेशल टास्क फोर्स (रळऋ) में तैनात थे। इनमें राजेश कुमार (40 वर्ष), निवासी गांव 14 मील, डाकघर बडाग्राम, तहसील मनाली, जिला कुल्लू, समीर (40 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 7, पारला भुंतर, तहसील भुंतर, जिला कुल्लू, नितेश (46 वर्ष), निवासी गांव बजौरा, डाकघर व तहसील भुंतर, जिला कुल्लू और अशोक कुमार (42 वर्ष), निवासी गांव वाशिंग, जिला कुल्लू शामिल हैं।इन सभी को 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और आज अदालत ने इन्हें चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

इस पूरे मामले की शुरूआत 10 मार्च 2026 को हुई, जब पुलिस थाना न्यू शिमला की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए संदीप शर्मा (जिला मोगा, पंजाब) और प्रिया शर्मा (जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश) को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 562 स्ट्रिप्स (स्टैम्प साइज) एलएसडी, जिसका कुल वजन 11.570 ग्राम है, बरामद किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है।

प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने इस मामले की कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, जिसमें एलएसडी सप्लाई चेन का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि इस खेप का मुख्य सप्लायर नेविल हैरिसन है, जो केरल के कालीकट का रहने वाला है। पुलिस ने उसे 13 मार्च को गुरुग्राम, हरियाणा से गिरफ्तार किया।

जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, वैसे-वैसे इस मामले ने और गंभीर रूप ले लिया। पुलिस के अनुसार संदीप शर्मा और नेविल हैरिसन द्वारा कुल्लू जिले में इस एलएसडी खेप की तस्करी की गई थी। इसी दौरान एसटीएफ के इन चार पुलिसकर्मियों ने इस ट्रैफिकिंग को इंटरसेप्ट किया था। लेकिन आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय ये खुद तस्करों के साथ मिल गए और नशे की इस खेप को आगे बढ़ाने में मदद की।

पुलिस का कहना है कि यह मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं, आपराधिक साजिश, घोर अनुशासनहीनता और नैतिक कदाचार का है। डिजिटल, भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद इन पुलिसकर्मियों की संदिग्ध भूमिका सामने आई।इसके बाद शिमला पुलिस की सिफारिश पर विस्तृत जांच कर 16 मार्च को एडीजी सीआईडी ने इन चारों को निलंबित कर दिया।

अब पुलिस रिमांड के दौरान जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश करेंगी कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, क्या यह कोई बड़ा अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय गिरोह है और पुलिसकर्मियों की इसमें क्या-क्या भूमिका रही।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह का कहना है कि प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ ह्लजीरो टॉलरेंसह्व की नीति के तहत यह कार्रवाई की जा रही है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाएंगे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

हरियाणा में जल जीवन मिशन-2.0 के लिए केंद्र व राज्य के बीच हुआ एमओयू

एमओयू से हर घर स्वच्छ जल के लक्ष्य को मिलेगी नई गति: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा में जल जीवन मिशन के दूसरे चरण को लागू करने के लिए शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। हरियाणा सरकार की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू हस्ताक्षरित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल उपस्थित रहे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जल जीवन मिशन-2.0 के अंतर्गत राज्य सरकारों व केंद्र सरकार के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आज हुआ यह

एमओयू बहुत महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन के दूसरे चरण में राज्य सरकार का ध्यान केवल जल आपूर्ति तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उसकी गुणवत्ता, स्थिरता और दीर्घकालिक प्रबंधन पर भी केंद्रित होगा। इसके तहत जल भंडारण टैंकों का आधुनिकीकरण, शेष परिवारों को पाइप लाइन जल आपूर्ति से जोड़ना और दक्षिण हरियाणा के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों जैसे नूहं, पलवल और महेंद्रगढ़ में विशेष परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। इन सभी योजनाओं पर लगभग 3000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के पहले चरण में हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल और पर्याप्त पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने का राज्य सरकार ने जो संकल्प लिया, उसे साकार भी किया। वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की जब शुरूआत हुई थी तब हरियाणा में केवल 58 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में नल का कनेक्शन था, लेकिन सरकार के सतत प्रयासों से 6 अप्रैल, 2022 को ही सरकार ने शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान बनाया है। यह उपलब्धि हरियाणा के लाखों परिवारों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब महिलाओं को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था, लेकिन अब महिलाओं को उनके घरों में ही स्वच्छ जल उपलब्ध कराने से आए परिवर्तन सामाजिक सम्मान और जीवन स्तर में सुधार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में जल आपूर्ति का एक मजबूत और व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जा चुका है। इसमें नहर आधारित हजारों जलघर, ट्यूबवेल आधारित जलघर और बूस्टिंग स्टेशन शामिल हैं। इक्रहअर पोर्टल के माध्यम से बिलिंग को पारदर्शी बनाया गया है और बीबीपीएस के जरिए भुगतान को सरल किया गया है। नागरिकों की शिकायत के समाधान के लिए मल्टी चैनल प्रणाली लागू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल की गुणवत्ता सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में राज्य के सभी 23 जिलों में एनएबीएल मान्यता प्राप्त अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल परीक्षण वैन तैनात की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, उसमें जल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। जल केवल एक संसाधन नहीं बल्कि यह जीवन और सम्मान का प्रतीक है। इसी सोच के साथ हम सभी को इस मिशन को एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है और यह नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का माध्यम है। यह विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है, इसलिए हम सब मिलकर इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने के कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। इस मौके पर नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की सराहना करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हरियाणा राज्य ने उल्लेखनीय कार्य किया है और पहले चरण में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल उत्कृष्ट कार्य किया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अधिकारियों और टीम ने समर्पण और दक्षता के साथ कार्य करते हुए हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने में बेहतर कार्य किया है। श्री सी.आर. पाटिल ने जल जीवन मिशनझ्र2 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी राज्यों के साथ समन्वय और समझौते को आवश्यक बताते हुए कहा कि इस दिशा में निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

आय में इजाफा करने के लिए सरकार किसानों को जोड़ रही है आधुनिक संसाधनों से: सुधा

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि किसानों की आय में इजाफा करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक संसाधनों के साथ जोड़ रही है। इस प्रदेश में किसानों को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए योजनाओं को अमलीजामा पहना रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से अभी हाल में ही लाडवा अनाज मंडी में इस क्षेत्र के किसानों को आधुनिकतम तकनीकी से रूबरू करवाने के उद्देश्य से पहली बार चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के माध्यम से एक विशाल किसान मेले का आयोजन भी किया गया।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शुक्रवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की तरफ से थानेसर अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने एसबी89 योजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की तरफ से ड्रा के माध्यम से निकाले गए किसानों को ट्रैक्टर वितरित किए है और हरी झंडी

देकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है, और किसान हमारे अन्नदाता हैं। जब किसान सशक्त होगा, तभी देश मजबूत होगा। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा समय-समय पर अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, ताकि किसानों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ा जा सके और उनकी आय में वृद्धि हो।

उन्होंने कहा कि एसबी89 योजना भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति की विशेष स्कीम के तहत 38 किसानों को ट्रैक्टर पर 3 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। इस स्कीम में जिला कुरुक्षेत्र में 438 किसानों ने आवेदन किया था। जिनमें से 38 किसानों को ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से चुना गया है। उन्होंने कहा कि 38 अनुसूचित जाति के किसानों को पूर्ण पारदर्शिता और भौतिक सत्यापन के पश्चात, ट्रैक्टर प्रदान किए जा रहे हैं। यह सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि योजनाओं का लाभ सही पात्र तक पहुंचे। डीडीए डा. कर्मचंद ने मेहमानों का स्वागत करते हुए सरकार की योजना पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण के उपनिदेशक डा. कर्मचंद, मार्किट कमेटी थानेसर के चेयरमैन सुरेश सैनी कूक्कू, वाईस चेयरमैन शशी जैन, मंडी प्रधान दयाल सिंह, पार्षद मुकुंद सुधा, पार्षद मनिंद्र छिंदा, पार्षद सचिन यादव, सहायक कृषि अभियंता राजेश वर्मा, कृषि अधिकारी डा. विनोद कुमार, मंडी सचिव हरजीत सिंह, जरनैल सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में गैस भंडारण आवश्यकता अनुसार पर्याप्तः कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेश का चहुंमुखी विकास करना है। विशेषकर ग्रामीण अंचल में बेहतर सड़कों का निर्माण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, पेयजल एवं बिजली की निर्बाध आपूर्ति जैसी मूल आवश्यकताओं पर निरंतर फोकस किया जा रहा है। प्रदेश के आखिरी कोने तक आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ मिले, यह मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का विजन है।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी शुक्रवार को नरवाना पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जन समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं का हर क्षेत्र के लोगों को भरपूर फायदा मिले सरकार का यह प्रयास है। इसलिए जनसेवा को लक्ष्य मानकर निरंतर कार्य किए जा रहे हैं और इसके लिए पूरा रोड मैप भी तैयार किया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि नरवाना शहर की जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जा रहा है। लोगों की मांग पर नरवाना वासियों को जल्द ही बस स्टैंड के नए भवन की सौगात भी मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि प्रदेश में एलपीजी गैस आपूर्ति पूर्णतया निर्बाध और सुचारू है और रहेगी। गैस उपभोक्ताओं को किसी भी दहशत और भ्रामक प्रचार का शिकार होने की जरूरत नहीं है। प्रदेश में गैस भंडारण आवश्यकता अनुसार पर्याप्त है और लोगों को गैस आपूर्ति से संबंधित कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

कैबिनेट मंत्री ने साफतौर पर कहा कि एलपीजी गैस का कोई भी संस्थान या निजी कंपनी, एजेंसी और होलसेलर अतिरिक्त भंडारण, जमाखोरी, कालाबाजारी तथा ब्लैकमेलिंग ना करें।

प्रदेश में रसोई गैस को लेकर सरकार और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क : राजेश नागर

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

हरियाणा के खाद्द्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश में रसोई गैस को लेकर सरकार और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। नागरिकों को घरों में रसोई गैस की दिक्कत नहीं होनी दी जा रही है। वहीं गैस को लेकर कालाबाजारी करने व अवैध प्रयोग करने के प्रदेशभर में अभी तक 12 एफआईआर दर्ज की गई हैं और करीब 169 सिलेंडरों को जब्त किया गया है। इनमें कुरुक्षेत्र में 18, नारनौल 60, करनाल 5, अंबाला में 21, खरखौदा में 28, फरीदाबाद में 18 और जींद में 19 सिलेंडर शामिल हैं।

राज्यमंत्री राजेश नागर वीरवार को नई लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्टद्द

- अभी तक प्रदेशभर में 12 एफआईआर हुई दर्ज, 169 सिलेंडर किए जब्त
- उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, डीएफएससी के नेतृत्व में जिला स्तरीय कमेटियों का किया गठन

निवारण समिति की बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। इनमें उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, डीएफएससी को मुख्य रूप से शामिल किया गया है। रसोई गैस से संबंधी शिकायत मिलने पर ये टीम सख्त एक्शन ले रही है।

राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों की प्रदेश सरकार को पूरी चिंता है। किसी भी नागरिक को पैनिक होने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पीछे से हमारी सप्लाई पूरी आ रही है और आगे भी सप्लाई पूरी दी जा रही है। प्रदेश की स्थिति पूरी तरह से कंट्रोल में है। नागरिकों को किसी भी प्रकार से घबराने की जरुरत नहीं है। कुरुक्षेत्र में करीब 8 हजार सिलेंडरों की लागत रोजाना हो रही थी और आज के समय में करीब 8 हजार सिलेंडर नागरिकों को दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में देखने में ये आया है कि घर में मौजूद सभी सिलेंडरों को पहले ही भरवाने के लिए नागरिक एजेंसियों में पहुंच रहे हैं। तीन से चार महीने में सिलेंडर लेने वाले भी तुरंत बुकिंग करवाने पहुंच रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि देश व प्रदेश में स्थिति पूर्णत सामान्य है। ऐसे में सरकार का सहयोग करें और पहले ही तरह ही जरुरी होने पर सिलेंडर लेने जाएं।

संक्षिप्त-समाचार

ग्राम पंचायतों को सोलर स्ट्रीट लाइट्स पर दिया जा रहा अनुदान

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सोलर स्ट्रीट लाइट की योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत आपूर्ति एवं निपटान विभाग के माध्यम से सोलर स्ट्रीट लाइट्स का रेट कॉन्ट्रैक्ट किया गया है जोकि 28 जनवरी 2027 तक वैध है। उन्होंने कहा कि इस योजना के दिशा-निदेर्शानुसार इन सोलर स्ट्रीट लाइट की कुल लागत व नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों व पंचायतों को 12 वाट एलईडी आधारित सोलर स्ट्रीट, लाइट प्रणाली, 75 वाट सोलर पैनल व 12.8 वोल्ट 30 एएच बैटरी सहित कुल लागत 17 हजार होती है, जिसमें से प्रदेश सरकार 4 हजार का अनुदान देती है और आवेदक से 13 हजार राशि का हिस्सा लिया जाता है। एडीसी ने कहा कि ग्राम पंचायतें, पंचायत समिति, जिला परिषद,सरकारी संस्थाएं व गैर लाभकारी संस्थाएं विभाग द्वारा चलाई जा रही है इस योजना का लाभ उठा सकती है तथा अनुदान पर ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाने के लिए लाभार्थी अपना हिस्सा एडीसी कार्यालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग में किसी भी कार्य दिवस पर जमा करवा सकते है।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा पशुपालन क्षेत्र में नई तकनीकों की दी जाएगी जानकारी

कुरुक्षेत्र। संसद नवीन जिन्दल की पहल पर धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में ह्लनवीन अवसर, स्वस्थ पशुधनझ्रसमृद्ध किसानह्व कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग के सभागार में शनिवार को किया जाएगा । इस कार्यक्रम में क्षेत्र के किसान एवं पशुपालक शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालन क्षेत्र में पशुओं के प्रेगनेंसी टेस्ट के पुराने प्रचलित तरीकों से होने वाले आर्थिक नुकसान से पशुपालकों का बचाव करना है ताकि उनकी आय को बढ़ाया जा सके और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा सके। किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. मनीष मिश्रा ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उनका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। फरवरी में पशुधन प्रदर्शनी में उन्होंने इस कार्यक्रम की घोषणा की थी ताकि पशुपालन से जुड़े लोगों की आय बढ़ाई जा सके। उन्होंने बताया कि गुजरात की बिगनैनो कंपनी और नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा पशुओं की अर्ली प्रेगनेंसी डिटेक्शन किट का लाइव डेमो किया जाएगा और बाद में इस किट का पशुपालकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ताकि पशुओं के ड्राई पीरियड को कम किया जा सके।

मत्स्य पालन से जुड़ी कई सेवाएं राइट टू सर्विस के दायरे में

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नागरिकों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मत्स्य पालन से जुड़ी कई नई सेवाओं को हरियाणा अधिकार सेवा अधिनियम, 2014 के तहत अधिसूचित किया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में एक अधिसूचना जारी की गई है। अब सघन मत्स्य पालन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत लोडिंग ऑटो, फोर व्हीलर, ट्रॉली के साथ मिनी ट्रैक्टर पर सब्सिडी 40 दिन के अन्दर मिलेगी। अधिसूचित सेवाओं में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत आनुवंशिक सुधार कार्यक्रम और न्यूक्लियस प्रजनन केन्द्रों (एनबीसी) हेतु सब्सिडी, नवाचार एवं और नवीन परियोजनाओं/गतिविधियों स्टार्ट-अप, इन्क्यूबेटर और पायलट परियोजनाओं सहित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के लिए सब्सिडी, प्रशिक्षण, जागरूकता, अनुभव एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए सब्सिडी, एकीकृत सजावटी मछली इकाई (ताजे पानी की मछलियों के प्रजनन एवं पालन) हेतु सब्सिडी तथा ताजे पानी के सजावटी मछली ब्रूड बैंक की स्थापना के लिए सब्सिडी शामिल है। इसी प्रकार, मनोरंजक मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु सब्सिडी, मछली एवं मत्स्य उत्पादों के ई-ट्रेडिंग एवं ई-मार्केटिंग के लिए ई-प्लेटफॉर्म हेतु सब्सिडी, कोल्ड स्टोरेज/आइस प्लांट के आधुनिकीकरण के लिए सब्सिडी, मछली मूल्य वर्धित उद्यम इकाइयों के लिए सब्सिडी तथा विस्तार एवं सहायता सेवाओं (मत्स्य सेवा केंद्र) के लिए सब्सिडी को भी इन सेवाओं में शामिल किया गया है।

शहीद उधम सिंह जैसे महान लोगों ने देश की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से दी कुर्बानी: कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

- कैबिनेट मंत्री ने हरियाणा शहीद उधम सिंह कमेटी को 15 लाख रुपए अनुदान राशि देने की घोषणा की, शहीद उधम सिंह कमेटी की तरफ से आयोजित किया गया शौर्य दिवस

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि शहीद उधम सिंह जैसे महान लोगों ने देश और समाज की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इन अमर शहीदों के बलिदान से युवा पीढ़ी को देश की रक्षा और समाज की सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। इन महान वीरों को आज याद करने के साथ-साथ इनके आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने की निहायत जरूरी है।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शुक्रवार को काम्बोज धर्मशाला में हरियाणा शहीद उधम सिंह कमेटी की तरफ से आयोजित शौर्य दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, काम्बोज समाज के प्रधान सुमेर सिंह, पूर्व मंत्री कर्णदेव काम्बोज, मार्किट कमेटी के चेयरमैन कर्णराज तूर, वाईस चेयरमैन त्रिलोचन सिंह हांडा, वित्त आयोग के पूर्व सदस्य श्याम लाल जांगडा, पूर्व जिप अध्यक्ष गुरदयाल सिंह सुनहेडी, सुरेन्द्र माजरी, राकेश सिंह व सर्वजीत सिंह ने शहीद उधम सिंह तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और शहीदों को याद किया है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने काम्बोज समाज धर्मशाला के लिए 15 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की और कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सिफारिश करके धर्मशाला के लिए विकास कार्यों को पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने शहीद उधम सिंह और अनेकों शहीदों को नमन करते हुए कहा कि आज युवा पीढ़ी को शहीद उधम सिंह जैसे अमर शहीदों के मार्ग पर चलने की जरूरत है। इन महान लोगों ने सच्ची निष्ठा से देश और समाज के लिए कार्य किया और अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अगर शहीद उधम सिंह जैसे वीर शहादत ना देते तो आज हम खुली हवा में सांस नहीं ले सकते थे।

समाज के प्रधान सुमेर सिंह ने मेहमानों का स्वागत करते हुए काम्बोज समाज की तमाम गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री कर्णदेव काम्बोज ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना गुरुकुल का मुख्य उद्देश्यः आचार्य देवव्रत

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

संस्कारों के अभाव और उचित मार्गदर्शन के अभाव में आज की युवा पीढ़ी भारतीय जीवन मूल्यों से दूर होती जा रही है जो अभिभावकों के साथ-साथ समाज के लिए भी चिंता का विषय है। गुरुकुल शिक्षा पद्धति में छात्रों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ उन्हें मानवीय मूल्यां व वैदिक संस्कारों से पोषित किया जाता है ताकि वह बुढ़ापे में मां-बाप की लाठी बनें और उनकी खूब सेवा करें। उक्त शब्द गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत जी ने आज गुरुकुल ज्योतिसर में आयोजित ह्यगुरुकुल शिक्षा उत्सवह्व में पधारे अभिभावकों व छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहे। इस अवसर पर वैदिक विद्वान डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, जगदीश आर्य, शिवकुमार आर्य, महिन्द्र आर्य, आर्यकुलम के प्राचार्य दिनेश राणा, गुरुकुल ज्योतिसर के प्राचार्य अरूण आर्य, श्रीमती कविता चौधरी व अन्य महानुभाव मौजूद रहे।

आचार्यश्री ने कहा कि गुरुकुल में छात्रों का सर्वांगीण विकास होता जिसमें उत्तम स्वास्थ्य, उत्तम शिक्षा और उत्तम विचार मुख्य है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ह्यआत्मनिर्भर भारतह्व मिशन को साकार करने की दिशा में गुरुकुल अहम भूमिका निभा रहा है क्योंकि गुरुकुल में बच्चों को अक्षरज्ञान के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियों से भी अवगत कराया जाता है। उन्हें प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है, गुरुकुल की अत्याधुनिक गोशाला में पशुपालन की पूरी जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली अक्सर तनाव और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है, जबकि गुरुकुल शिक्षा एक संतुलित, मूल्य-आधारित और तनाव-मुक्त वातावरण प्रदान करती है। उन्होंने एक सशक्त और जिम्मेदार भविष्य पीढ़ी के निर्माण के लिए भारतीय परंपराओं से पुनः जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

वैदिक विद्वान डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली भारतीय संस्कृति और परंपराओं में गहराई से निहित है तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास पर बल देती है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सशक्त चरित्र का निर्माण करती है, जिससे विद्यार्थी केवल शैक्षणिक सफलता ही नहीं बल्कि जीवन के लिए भी तैयार होते हैं।

विपुल गोयल ने फरीदाबाद जिला अस्पताल में हार्ट सेंटर का किया उद्घाटन

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़,

हरियाणा के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने आज फरीदाबाद के जिला अस्पताल (बीके अस्पताल) में हार्ट सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अब हृदय रोगों का आधुनिक उपचार आम जनता को कम खर्च में उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा निजी अस्पतालों में जहां स्टेंट का खर्च लगभग 2 लाख रुपये तक होता है, वहीं यहां यह सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी और जांचें भी कम शुल्क पर होंगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बीके अस्पताल को क्षेत्र के लाखों लोगों की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि एक वर्ष के भीतर जिला अस्पताल (बीके अस्पताल) का व्यापक विस्तार किया जाएगा और 200 से 400 बेड क्षमता वाला नया आधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपकरणों की उपलब्धता, भवन की मरम्मत, नई मशीनों की स्थापना और अन्य सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। साथ ही, शव वाहन की सुविधा भी जल्द उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त ह्यमहाकाल रसोईह्व शुरू की जाएगी, जहां परिजनों को 10 रुपये में भोजन मिलेगा तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। अस्पताल परिसर में लगभग 2.10 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, सीवरेज और अन्य विकास कार्य शीघ्र आरंभ किए जाएंगे। श्री विपुल गोयल ने बताया कि 4 अप्रैल को सेक्टर-12, फरीदाबाद में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम में मेट्रो विस्तार, आरआरटीएस, नए अस्पताल और अन्य विकास परियोजनाओं की घोषणाएं की जाएंगी। वहीं, 28 अप्रैल को जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी में रोजगार मेला आयोजित कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

देश की भावी पीढ़ी को भगवान श्री परशुराम के पद चिन्हों पर चलने की प्रेरणा मिलेगी भव्य चौक से: डा. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता

पिहोवा

हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की भावी पीढ़ी को पिहोवा में बनाए गए भगवान श्री परशुराम चौक से प्रेरणा मिलेगी। इस चौक से भगवान श्री परशुराम के आदर्शों पर आगे बढ़ने के लिए युवाओं को आत्म बल मिलेगा। इतना ही नहीं यह भव्य चौक तीर्थ नगरी पिहोवा के सौंदर्यीकरण में भी चार चांद लगाएगा।

पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने शुक्रवार को पिहोवा में नगरपालिका की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने पिहोवा में नगरपालिका की तरफ से भगवान श्री परशुराम चौक का उदघाटन किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की है। इससे पहले कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने मां सरस्वती मंदिर में माथा टेका और

विधिवत रूप से पूजा अर्चना की है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि तीर्थ नगरी पिहोवा में बनाए गए भगवान श्री परशुराम चौक से युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस तीर्थ नगरी में हर वर्ष देश विदेश में लाखों श्रद्धालु पहुंचते है और इस चौक की भव्यता और सौंदर्यीकरण की अनूठी छाप यह पर्यटक अपने-अपने गृह क्षेत्र में लेकर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों के कारण हरियाणा प्रदेश में लगातार पर्यटन के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे है और हर चिन्हित क्षेत्र को पर्यटन के हिसाब से विकसित किया जा रहा है। इस सरकार के कार्यकाल में मोरनी हिल्स, कुरुक्षेत्र सहित अन्य जिलों को पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। सरकार की इन योजनाओं से प्रदेश में लगातार पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिहोवा में भगवान श्री परशुराम के नाम से भव्य और सुंदर चौक बनाकर एक सराहनीय कार्य किया है। इस चौक पर स्थापित किए गए भव्य शंख और उस पर भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा लगने से तीर्थ नगरी पिहोवा के सौंदर्यीकरण में चार चांद लगे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सरस्वती नदी के पानी के बहाव को पिहोवा तक तेजी से चलाने का कार्य किया जाएगा, पिहोवा ड्रेन को सरस्वती ड्रेन घोषित किया जाएगा और मुख्यमंत्री की घोषणाओं में पिहोवा के मुख्य मार्ग को फोरलेन करने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डीडी शर्मा ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी पिहोवा के मुख्य चौक का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इस मुख्य चौक पर भव्य और सुंदर शंख चौक को चार चांद लगाएगा। इस चौक के जीर्णोद्धार पर लगभग 50 लाख रुपए का बजट खर्च किया है। इस तीर्थ स्थली को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए लगातार सरकार की तरफ से कार्य किए जा रहे है। इस तीर्थ नगरी में सरस्वती महोत्सव और अन्य बड़े कार्यक्रमों का आयोजन करके पर्यटकों को आकर्षित किया जा रहा है। नगरपालिका के चेयरमैन आशीष चक्रपाणि ने कहा कि तीर्थ नगरी पिहोवा को विकसित और सुंदर नगरी बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से लगातार योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इस तीर्थ नगरी में सरस्वती द्वार के सामने मुख्य चौक का जीर्णोद्धार किया है। उन्होंने कहा कि इस शंख का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार एवं शिल्पकार राम सुतार के पुत्र अनिल सुतार द्वारा किया गया है। इस शंख को मुख्य चौक पर स्थापित कर दिया गया है और चौक व आस पास के क्षेत्र को भी भव्य और सुंदर बनाया गया है। जहां कुरुक्षेत्र रोड पर भी डिवाइडर पर गमलों का निर्माण कर ऑनामेंटल प्लांट लगाए गए है। इन तमाम विकास कार्यो पर लगभग 50 लाख रुपए का बजट खर्च होगा। इन कार्यों से देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को तीर्थ नगरी पिहोवा में पहुंचने का एहसास होगा।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा, नगर पालिका चेयरमैन आशीष चक्रपाणि, इस्माईलाबाद नगरपालिका अध्यक्ष मेघा बसंल, भाजपा के जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी,शुगरफेड के पूर्व चेयरमैन हरपाल सिंह चीका, मन की बात प्रमुख हन्नु चक्रपाणि, राकेश पुरोहित, कार्तिक चक्रपाणि, देवीदयाल शर्मा, एडवोकेट एसडी मुरार, एडवोकेट मोहित शर्मा,गीता शर्मा के अलावा जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम अनिल कुमार दून, डीएमसी अमन कुमार, नगरपालिका सचिव अशोक कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संपादकीय

डिजिटल सट्टेबाजी पर शिकंजा: 300 अवैध साइट्स बंद, यूजर्स को बड़ा झटका

भारत में तेजी से फैल रहे ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के नेटवर्क पर सरकार ने बड़ा प्रहार करते हुए 300 से अधिक अवैध वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए अवैध आर्थिक गतिविधियों और साइबर अपराधों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। केंद्र सरकार का यह कदम न केवल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम है, बल्कि इससे देश में डिजिटल स्पेस को सुरक्षित बनाने का भी स्पष्ट संकेत मिलता है। सरकारी एजेंसियों के अनुसार, जिन वेबसाइटों को ब्लॉक किया गया है वे बिना किसी वैध अनुमति के भारत में संचालित हो रही थीं और बड़ी संख्या में लोगों को ऑनलाइन सट्टेबाजी के जाल में फंसा रही थीं। ये प्लेटफॉर्म आकर्षक ऑफर्स, बोनस और त्वरित कमाई के लालच देकर खासकर युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। शुरुआती जीत के बाद यूजर्स को अधिक निवेश के लिए उकसाया जाता था, जिससे वे धीरे-धीरे भारी आर्थिक नुकसान की ओर बढ़ जाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि इन वेबसाइटों का संचालन मुख्य रूप से विदेशों से किया जा रहा था, जिससे भारतीय कानूनों के दायरे में उन्हें लाना मुश्किल हो जाता था। ये प्लेटफॉर्म फर्जी डोमेन, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क और एन्क्रिप्टेड सर्वर का उपयोग करते थे ताकि उनकी पहचान छुपी रहे। इसके अलावा, भुगतान के लिए भी जटिल डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे लेन-देन का ट्रैक करना चुनौतीपूर्ण बन जाता था। इस व्यापक अभियान में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गृह मंत्रालय, साइबर क्राइम यूनिट और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों ने मिलकर कार्रवाई की। इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे इन वेबसाइटों को तुरंत ब्लॉक करें और भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों और संगठनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ऑनलाइन जुआ केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट भी बनता जा रहा है। कई मामलों में यह देखा गया है कि सट्टेबाजी की लत के कारण व्यक्ति कर्ज में डूब जाता है, पारिवारिक संबंधों में तनाव पैदा होता है और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। युवाओं में यह प्रवृत्ति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि वे जल्दी पैसा कमाने के लालच में बिना जोखिम को समझे इस जाल में फंस जाते हैं। सरकार की इस कार्रवाई के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी को रोकना भी है। अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म्स के जरिए बड़ी मात्रा में धन देश से बाहर भेजा जा रहा था, जिससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा था। चूंकि ये प्लेटफॉर्म किसी भी नियामक ढांचे के तहत नहीं आते, इसलिए इनके जरिए होने वाले लेन-देन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं होता था। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए नियमों को सख्त करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। आईटी नियमों में संशोधन कर यह सुनिश्चित किया गया है कि केवल वैध और पारदर्शी प्लेटफॉर्म्स ही देश में संचालित हों। इसके बावजूद, अवैध वेबसाइट्स नए-नए तरीकों से सिस्टम को चकमा देने की कोशिश करती रहती हैं, जिससे चुनौती और बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल वेबसाइटों को ब्लॉक करना इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। कई बार ये प्लेटफॉर्म नए डोमेन या मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए दोबारा सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में सरकार को तकनीकी निगरानी को और मजबूत करना होगा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना होगा ताकि सीमा पार से संचालित नेटवर्क पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। इसके अलावा, आम लोगों में जागरूकता फैलाना भी बेहद जरूरी है। जब तक यूजर्स खुद इन प्लेटफॉर्म्स से दूर रहने का निर्णय नहीं लेते, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह काबू पाना मुश्किल रहेगा। सरकार और सामाजिक संगठनों को मिलकर ऐसे अभियान चलाने होंगे जो लोगों को ऑनलाइन सट्टेबाजी के खतरों के प्रति सचेत करें। डिजिटल इंडिया के इस दौर में जहां तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग के खतरे भी बढ़े हैं। ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी इसका एक बड़ा उदाहरण है। ऐसे में सरकार की यह कार्रवाई एक सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है, जो न केवल अपराधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश देती है बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देती है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी यह कदम महत्वपूर्ण है। अवैध प्लेटफॉर्म्स के कारण सरकार को टैक्स के रूप में होने वाली आय का नुकसान होता था, वहीं वैध कंपनियों के लिए भी प्रतिस्पर्धा असमान हो जाती थी। इस कार्रवाई के बाद उम्मीद की जा रही है कि डिजिटल बाजार अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनेगा, जिससे वैध व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा। भविष्य में सरकार पेमेंट गेटवे, बैंकिंग चैनल और डिजिटल वॉलेट्स पर निगरानी और कड़ी कर सकती है ताकि संदिग्ध लेन-देन को समय रहते रोका जा सके। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी नजर रखी जा रही है, जहां इन अवैध वेबसाइट्स का प्रचार-प्रसार किया जाता है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि 300 अवैध जुआ और सट्टेबाजी वेबसाइटों को ब्लॉक करने का यह कदम डिजिटल अपराधों के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हालांकि, इस चुनौती से निपटने के लिए लगातार सतर्कता, तकनीकी सुधार और जनजागरूकता की आवश्यकता बनी रहेगी। सरकार, एजेंसियों और नागरिकों के संयुक्त प्रयास से ही एक सुरक्षित और पारदर्शी डिजिटल वातावरण का निर्माण संभव हो सकेगा।

खून, खामोशी और खतरनाक मंसूबों का खेल

प्रणय विक्रम सिंह (हि.स)

यह दौर सिर्फ युद्ध का नहीं बल्कि वैश्विक पाखंड के बेनकाब होने का है। समय दुआओं का है लेकिन दुनिया बारूद और खामोशी के साये में खड़ी है। रमजान का महीना है। वो महीना, जिसमें रोजे रखे जाते हैं, दुआएं मांगी जाती हैं, इफ़्तार की थालियों में उम्मीद सजती है लेकिन आज उसी वक्त ईरान और उससे जुड़े 22 मुल्कों की फिजा में दुआ नहीं, धुआं उठ रहा है। न कोई रोजा दिख रहा है, न इफ़्तार की रौनक, न सहरी की सादगी बस बारूद की बदबू है। और आसमान पर लाल रंग के सिवा कोई रंग नहीं।

हजारों घर जमीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है।

मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया। इंटेलिजेंस वॉरफेयर, इनसाइड नेटवर्क और टार्गेटेड एलिमिनेशन इन तीनों के त्रिकोण ने मिलकर यह साबित किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, सिस्टम के भीतर लड़े जाते हैं। अपने ही घर के लोग अपने ही आसमान को निशाना बनवाने लगे, यह केवल जासूसी नहीं, बल्कि 'ट्रस्ट का टोटल ब्रेकडाउन' है।

अजीब वक्त है न कोई मजहब बचाने आया और जो 22 इस्लामिक मुल्क हैं वो भी जैसे खामोशी की चादर ओढ़े बैठे हैं। यहां तक कि जो गाजा की सड़कों को जाम कर देते थे, वे आज ईद की खरीदारी में मशगूल हैं, जैसे संवेदना भी अब 'सेलेक्टिव रिस्पॉन्स' बन चुकी हो।

ईरान का आसमान अमेरिका और इजराइल ने मिलकर रक्तरंजित कर दिया है। मोसाद ने चुन-चुन कर इतिहास की इस धरोहर को जख्मों का जखीरा बना दिया। इजराइल से तो दुश्मनी पुरानी है, पर अमेरिका...? उसे क्या मिला इस जंग से? शायद इसका उत्तर खुद ट्रंप भी नहीं जानते होंगे।

हां, एक सच है कि इतिहास गवाह है... हर युद्ध अपने साथ विजय से ज्यादा विनाश छोड़ता है। और यह भी तय है कि अमेरिका को इस जंग से यश नहीं, जलालत मिलेगी। अपने ही घर में सवाल उठेंगे, अपने ही लोग जवाब मांगेंगे। और जो 450 किलो यूरेनियम की चाह है वो ख्वाब ही रहेगा क्योंकि अगर ईरान ने बम नहीं बनाया तो उसने उसे कहीं और सुरक्षित कर दिया होगा... शायद रूस... शायद चीन।

डर एक था और वह सही भी था कि जिस दिन ईरान के पास परमाणु शक्ति आई, वह सीधे इजराइल की ओर बढ़ेगी। और इजराइल का अस्तित्व मिट सकता है। इस डर ने अमेरिका को युद्ध की ओर धकेला पर सवाल यह भी है कि पाकिस्तान के बमों पर यह खामोशी क्यों है...? क्या वे कभी खतरा नहीं बनेंगे...? या खतरे भी अब चयनित हो गए हैं...?

इसी परिप्रेक्ष्य में एक और घटना दिल दहला देती है। अभी 3 दिन पहले ही पाकिस्तान ने काबुल की राजधानी में एक अस्पताल को एयर स्ट्राइक में निशाना बनाया। जहां जीवन बचाने की कोशिश होती है, वहां मौत उतार दी गई। जहां दवाइयां होनी चाहिए थीं, वहां धुएं और चीखों का अंधकार फैल गया। 400 लोग मारे गए, 250 से अधिक घायल होकर तड़पते रह गए। पर इससे भी अधिक भयावह है उस त्रासदी पर पसरा सन्नाटा।

भारत में ईरान और गाजा के नाम पर सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन करने वाले लोग आज इस त्रासदी पर एक सुविधाजनक खामोशी ओढ़े हुए हैं। वैश्विक मंचों पर भी कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं। अमेरिका तो ऐसी चुप्पी साधे बैठा है जैसे इस हमले के बारे में वह जानता ही नहीं। यही वह क्षण है जब यह प्रश्न भीतर तक चीर देता है कि क्या निदोर्षों का रक्त भी अब 'जियोपॉलिटिकल इंटरेस्ट' के तराजू पर तौला जाने लगा है? क्या संवेदनाएं भी अब 'सेलेक्टिव सिम्पैथी' बन चुकी हैं?

दरअसल, युद्ध शुरू करना आसान होता है, पर उसे रोकना इतिहास के सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। ऐसे समय में भारत जैसे राष्ट्र की नीति याद आती है जिसने 25 मिनट में दुश्मन के आतंकी ठिकाने ध्वस्त कर दिए, 11 एयरबेस उड़ा दिए और नूर खां के परमाणु भंडार तक ब्रह्मोस की आहट पहुंचा दी, बिना युद्ध को युद्ध बनाए।

दुनिया के बी-1 और बी-2 बॉम्बर जिन अभियानों को 'हाइपोथेटिकल प्लानिंग' में रखते हैं, उसका ट्रेलर भारत की धरती पर बनी एक स्वदेशी मिसाइल ने दिखा दिया। क्योंकि शक्ति का अर्थ केवल प्रहार नहीं प्रमाण भी होता है।

शायद यही फर्क है अहंकार और आचरण में, आक्रमण और आत्मसंयम में और युद्ध और नीति में। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि उसे सत्ता, स्वार्थ और संघर्ष की लपटों में जलकर राख होना है या संतुलन, संयम और समझ की रोशनी में चलकर अपनी राह बनानी है। क्योंकि तलवारें जीत तो लेती हैं पर टिकती नहीं। सभ्यताएं वही जीवित रहती हैं, जो शक्ति नहीं, विवेक से दिशा चुनती हैं। जो लहू नहीं, लौ से अपना भविष्य रचती हैं।

जल का उत्सव, जन भागीदारी का संकल्प

प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस के अवसर पर मैं सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला है—और इसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

जल हमारे जीवन, पारिस्थितिकी तंत्र और अर्थव्यवस्था की धुरी है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या और पशुधन भारत में निवास करते हैं, जबकि हमारे पास वैश्विक मीठे जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत ही उपलब्ध है। शहरीकरण, बढ़ती मांग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बीच जल का प्रभावी प्रबंधन आज एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने जल प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना से जल से जुड़े विभिन्न विभागों का एकीकरण हुआ है, जिससे योजनाओं के बेहतर और समन्वित क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

यह दृष्टिकोण जल के पूरे चक्र को साथ लेकर चलता है। एक ओर संरक्षण और भूजल पुनर्भरण पर बल दिया जा रहा है, वहीं बांधों और जलाशयों के माध्यम से भंडारण क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। नदी जोड़ परियोजनाएँ संतुलित जल-वितरण की दिशा में प्रयास कर रही हैं। जल जीवन मिशन और कमांड एरिया विकास के आधुनिकीकरण से जल की उपलब्धता बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है, जबकि नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जल गुणवत्ता सुधारने का कार्य आगे बढ़ रहा है। साथ ही, अनुसंधान, नवाचार और जन जागरूकता के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने पर भी जोर दिया गया है।

इस पूरे प्रयास का मूल भाव है- जन भागीदारी। प्रधानमंत्री जी ने जलसंचय को जन आंदोलन बनाने का आ'ान किया है। सरकार दिशा और संसाधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन स्थायी परिवर्तन तभी संभव है जब समाज स्वयं इसमें भागीदार बने।

जल जीवन मिशन इसी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल पहुंचाना है। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सुविधा पहुंच चुकी है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

इस मिशन का एक बड़ा प्रभाव महिलाओं के जीवन में दिखाई

सी आर पाटील

देता है। पानी लाने के श्रम में कमी आई है, स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और शिक्षा तथा आजीविका में उनकी भागीदारी बढ़ी है। ग्राम पंचायतों और स्थानीय जल एवं स्वच्छता समितियों की भूमिका से समुदाय का जुड़ाव मजबूत हुआ है, वहीं फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता की निगरानी में महिलाओं की भागीदारी ने स्थानीय स्वामित्व को और सुदृढ़ किया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम ने गंगा और उसकी सहायक नदियों में जल गुणवत्ता सुधारने और पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निर्मल और अविरल गंगा के साथ-साथ 'अर्थ गंगा' और 'जन गंगा' जैसी पहलें नदी संरक्षण को लोगों के जीवन और आजीविका से जोड़ती हैं।

'कैच द रेन' अभियान और 'जल संचयझजन भागीदारी' जैसे प्रयासों ने जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, बोरवेल रिचार्ज और चेक-डैम निर्माण जैसे कार्यों में लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

सितंबर 2024 से अब तक देशभर में 45 लाख से अधिक वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण इसी सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह दिखाता है कि जब सरकार और समाज साथ मिलकर काम करते हैं, तो परिवर्तन व्यापक और स्थायी होता है।

देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई प्रेरक उदाहरण सामने आए हैं। गुजरात के बनासकांठा में डेयरी सहकारी समितियों और किसानों ने मिलकर कम लागत वाले रिचार्ज पिट बनाए हैं। छत्तीसगढ़ के कोरिया में किसानों ने अपनी भूमि का एक हिस्सा भूजल पुनर्भरण के लिए समर्पित किया है। शहरी क्षेत्रों में भी आवासीय परिसर वर्षा जल संचयन और पुनः उपयोग को अपनाने लगे हैं।

उद्योग जगत भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। जल ऑडिट, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज और वर्षा जल संचयन जैसी प्रथाओं को अपनाकर उद्योग जिम्मेदार जल प्रबंधन की दिशा में योगदान दे रहे हैं।

कृषि क्षेत्र में भी जल के संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में बदलाव दिखाई दे रहा है। माइक्रो-इरिगेशन, खेत स्तर पर बेहतर जल प्रबंधन और उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग जैसी पहलें न केवल किसानों की आय को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता को भी बढ़ावा देती हैं।

जल संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाना समय की मांग है। वर्षा जल संचयन, उपचारित जल का पुनः उपयोग और पानी की बबार्दी को रोकना—ये ऐसे कदम हैं जिन्हें अपनाकर हम अपने शहरों को अधिक जल-सुरक्षित बना सकते हैं।

भारत की जल सुरक्षा की यह यात्रा एक सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास है। यह केवल नीतियों और अवसंरचना से नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार और सोच में बदलाव से ही संभव है।

आइए, इस विश्व जल दिवस पर हम जल संरक्षण को अपनी आदत में लाएँ और अपने दैनिक क्रियाकलापों में शामिल करें। यदि प्रत्येक नागरिक प्रतिदिन केवल एक लीटर जल भी बचाए या उसका पुनः उपयोग करे, तो हम एक राष्ट्र के रूप में प्रतिदिन 140 करोड़ लीटर से अधिक जल बचा सकते हैं। जल संरक्षण को प्रयास नहीं, बल्कि स्वभाव बनाना होगा—तभी जल सुरक्षित विकसित भारत का लक्ष्य साकार होगा।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं।)

आज का राशिफल

मेषः स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। *(सिटी दर्पण)*

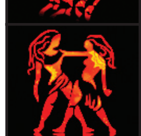

मिथुनः पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनुः प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

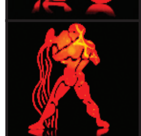

कुंभः राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीनः व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

भारत में बाल मृत्यु दर में गिरावट यानी बालकों के हित सही दिशा में जा रहा देश

संयुक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना की है। दरअसल, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट ने भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर उजागर किया है। यूएनआईजीएमई की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बाल मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाकर दुनिया को एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए नरेंद्र मोदी ने भी इसे देश की सामूहिक सफलता बताया और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सतत प्रयासों की सराहना की है।

आंकड़ों में झलकती ऐतिहासिक सफलता

रिपोर्ट के अनुसार, 1990 में जहां नवजात शिशु मृत्यु दर 57 प्रति हजार जीवित जन्म थी, वह 2024 में घटकर 17 रह गई है, जो लगभग 70 प्रतिशत की कमी को दशार्ती है। इसी प्रकार पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 127 से घटकर 27 प्रति हजार हो गई है, जोकि लगभग 79 प्रतिशत की गिरावट है। ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक बनाते हुए उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया है।

नीतिगत हस्तक्षेप और केंद्र सरकार की भूमिका

भारत सरकार ने बाल और मातृ स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू कीं, जिनका सीधा प्रभाव मृत्यु दर में कमी के रूप में सामने आया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने देश के दूर-दराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की, वहीं जननी सुरक्षा योजना ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया। इन योजनाओं ने मिलकर एक ऐसा स्वास्थ्य तंत्र तैयार किया, जिसमें जोखिम की पहचान समय रहते हो सके और उपचार तुरंत उपलब्ध हो।

टीकाकरण अभियान और जन-जागरूकता का प्रभाव

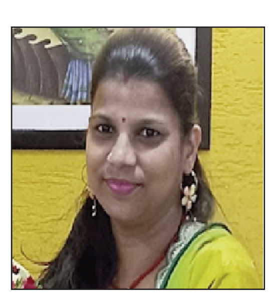

डॉ. निवेदिता शर्मा (हि.स)

भारत की सफलता में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मिशन इंद्रधनुष जैसे अभियानों ने यह सुनिश्चित किया कि हर बच्चे तक जीवन रक्षक टीके पहुंचें। टीकाकरण के माध्यम से खसरा, डायरिया, निमोनिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण पाया गया, जो पहले बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थे। इसके साथ ही आशा कार्यकताओं और आंगनवाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा और उनका उपयोग भी अधिक हुआ। यह जनभागीदारी भारत की सफलता का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है।

संस्थागत प्रसव और नवजात देखभाल में सुधार

भारत में संस्थागत प्रसव की दर में हुई वृद्धि ने नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता ने प्रसव से जुड़े जोखिमों को काफी हद तक कम किया है। इसके साथ ही नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (ठक्ठव) का विस्तार भी एक बड़ा कदम साबित हुआ है। इन इकाइयों में समय से पहले जन्मे या बीमार शिशुओं को विशेष देखभाल मिलती है, जिससे उनकी जीवित रहने की संभावना बढ़ जाती है। दक्षिण एशिया में नवजात मृत्यु दर में आई कमी में भारत की इन पहलों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बीमारियों से मुकाबला और लक्षित रणनीति

भारत ने उन बीमारियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया, जो बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थीं। डायरिया के इलाज के लिए डफ्र और जिंक के उपयोग को बढ़ावा दिया गया, वहीं निमोनिया के उपचार और रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाए गए। मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों ने प्रभावित क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इन लक्षित प्रयासों ने यह सिद्ध किया कि यदि सही दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए, तो रोकी जा सकने वाली बीमारियों से होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

केंद्र-राज्य समन्वय और प्रभावी क्रियान्वयन

भारत की इस सफलता के पीछे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच मजबूत समन्वय भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को राज्यों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार लागू किया, जिससे योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक और प्रभावी हुआ। यह सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें नीति निर्माण और क्रियान्वयन के बीच संतुलन बना रहा। इस समन्वय ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तकनीक और डेटा आधारित स्वास्थ्य प्रबंधन

डिजिटल तकनीक के उपयोग ने भी भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा दी है। मातृ और शिशु स्वास्थ्य की निगरानी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा आधारित प्रणालियों का उपयोग किया गया, जिससे योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन संभव हुआ। इससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही संसाधनों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित हुआ। डेटा आधारित निर्णय लेने की यह प्रक्रिया भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाती है।

दक्षिण एशिया और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की भूमिका

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में बाल मृत्यु दर में आई गिरावट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। 2000 में जहां इस क्षेत्र में प्रति हजार जन्मों पर 92 बच्चों की मृत्यु होती थी, वहीं 2024 में यह घटकर लगभग 32 रह गई है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि भारत के प्रयासों का प्रभाव राष्ट्रीय स्तर आगे वैश्विक प्रभाव के रूप में दिख रहा है। हालांकि भारत ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां सामने हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता, कुपोषण की समस्या और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की सार्वभौमिक उपलब्धता जैसे मुद्दे अभी भी समाधान की मांग करते हैं। दक्षिण एशिया में अभी भी दुनिया के लगभग 25 प्रतिशत बाल मृत्यु के मामले सामने आते हैं, जो इस दिशा में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता को दशार्ता है। भारत को अब अपनी उपलब्धियों को बनाए रखते हुए नई चुनौतियों का समाधान करना होगा।

एक प्रेरक मॉडल के रूप में भारत

आज भारत में बाल मृत्यु दर में आई गिरावट एक ऐसी उपलब्धि है, जोकि निश्तिच ही देश के लिए गर्व का विषय है। यह दुनिया के अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक प्रेरणा है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि ठोस नीतियां, मजबूत इच्छाशक्ति और प्रभावी क्रियान्वयन होने लगे तब उस स्थिति में कोई समस्या लम्बे समय तक नहीं ठहर सकती है। ऐस में बड़े से बड़े लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त किया गया विश्वास इस दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में भारत यदि इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहा, तब इतना सुनिश्चित है कि वह वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका भी निभाता हुआ दिखाई देगा।

(लेखिका मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग की पूर्व सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता है)

आयुष्मान भारत योजना में शर्तें लागू, जबकि आप सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना बिना किसी पाबंदी के 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की गारंटी देती है, फर्क इरादे में है: भगवंत मान

पिछले दशकों में जितने डॉक्टर भर्ती हुए, उतने आप सरकार ने चार वर्षों में भर्ती किए, पंजाब की लंबे समय से उपेक्षित स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारा: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

शानदार चार साल, भगवंत मान के साथ श्रृंखला को जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज स्वास्थ्य क्षेत्र का चार वर्षों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया।इससे पहले कृषि और सिंचाई क्षेत्रों में आप सरकार के कार्यों का विवरण दिया गया था। शर्तों वाली आयुष्मान भारत योजना और आप सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को एक सार्वभौमिक और सुलभ स्वास्थ्य मॉडल बताया और जोर देकर कहा कि फर्क इरादे और क्रियान्वयन में है।

डेटा-आधारित परिणाम प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सरकार घोषणाओं से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव ला रही है।बिना किसी पाबंदी के 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की गारंटी से लेकर एक ऐसी प्रणाली विकसित की जा रही है, जिस पर लोग भरोसा करते हैं और सक्रिय रूप से उसका उपयोग कर रहे हैं। गलत जानकारी फैलाने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में अफवाह फैलाने वाले पंजाब को स्वस्थ नहीं देखना चाहते।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री सेहत योजना सभी के कल्याण के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य योजना है और इसके बारे में अफवाह फैलाने वाले पंजाब के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने यह योजना खासकर कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण इलाज तक सीधी पहुंच देने के उद्देश्य से शुरू की है। उन्होंने आगे कहा, यह देश की अपनी तरह की पहली योजना है, जो पंजाब के हर परिवार को 10 लाख

रुपए तक का कैशलेस इलाज प्रदान करती है।

इसे गर्व की बात बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब ऐसा पहला भारतीय राज्य है जो व्यापक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान कर रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होने के साथ-साथ जनता पर आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हो रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इस योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों और सभी नागरिकों को सुविधा केंद्रों, कॉमन सर्विस सेंटरों या आधार अथवा वोटर कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर स्वास्थ्य कार्ड जारी करते हुए सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा, इस योजना को व्यापक समर्थन मिला है और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ लेने के लिए आगे आ रहे हैं, जिससे उन परिवारों को काफी राहत मिली है जिन्हें इलाज पर भारी खर्च करना पड़ता था।

अफवाहों पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ पंजाब विरोधी ताकतें, जो नहीं चाहतीं कि लोग ऐसी सुविधाओं का लाभ उठाएं, इस योजना के बारे में गलत जानकारी फैला रही हैं। ऐसे तत्वों का उद्देश्य लोगों को इसके लाभ से वंचित करना है, जो अनुचित है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने इस योजना के तहत अधिकांश निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है, जहां सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर लगभग 2600 बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

केंद्र की आयुष्मान योजना से तुलना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मुख्यमंत्री सेहत योजना लोगों के लिए वरदान है, जबकि आयुष्मान केवल दिखावा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र ने 140 करोड़ की आबादी के लिए केवल 9300 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जबकि पंजाब ने मात्र 3 करोड़ लोगों के लिए 2000 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इसका अर्थ है कि पंजाब प्रति व्यक्ति लगभग दस गुना अधिक खर्च कर रहा है। आयुष्मान के विपरीत हमारी योजना में कोई शर्त नहीं है। इस योजना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, पंजाब और चंडीगढ़ के लगभग 900 सरकारी और निजी अस्पताल इस योजना के अंतर्गत शामिल किए गए हैं और 25 लाख लाभार्थी पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 1.6 लाख से अधिक लोग इलाज प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आगे बताया, वर्ष 2025-26 के लिए 1200 करोड़ रुपए और 2026-27 के लिए 2000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। यह योजना 2,356 चिकित्सा एवं सर्जिकल प्रक्रियाओं को कवर करती है, जिसमें ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, हृदय, फेफड़े, गुर्दे की बीमारियां, कैंसर उपचार सहित कई अन्य सेवाएं शामिल हैं।

चिकित्सा शिक्षा के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, सात नए मेडिकल कॉलेज निमार्णाधीन हैं, जिनसे 600 नई एमबीबीएस सीटें बढ़ेंगी और पंजाब को चिकित्सा शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने निष्कर्ष में कहा, पंजाब सरकार आने वाले समय में राज्य को स्वस्थ और प्रगतिशील बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलबीर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

सरकार द्वारा महिलाओं के मुफ्त सफर पर 2042 करोड़ का निवेश–मान सरकार की मजबूत पहल: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार ठोस और जनहितैषी कदम उठाए जा रहे हैं, जो उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक महिलाओं के मुफ्त बस सफर के लिए लगभग 2042 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें वर्ष 2022-23 के दौरान 495 करोड़, 2023-24 में 497.50 करोड़, 2024-25 में 450 करोड़ और 2025-26 में 600 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत हर महीने लगभग 1 करोड़ 20 लाख मुफ्त बस यात्राओं का

लाभ पूरे पंजाब की महिलाओं ने उठा रही हैं, जो इस योजना की लोकप्रियता और प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। सामाजिक सुरक्षा मंत्री ने कहा कि यह सुविधा केवल मुफ्त सफर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के जीवन में स्वतंत्रता और आत्मविश्वास की नई लहर लेकर आई है। अब महिलाएं बिना किसी आर्थिक चिंता के शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसानी से पहुंच बना रही हैं, जिससे वे अधिक

- हर महीने 1.20 करोड़ मुफ्त बस सफर–पंजाब की महिलाओं को बड़ी राहत
- महिला सशक्तिकरण की दिशा में मान सरकार की प्रतिबद्धता और मजबूत

आत्मनिर्भर और सशक्त बन रही हैं। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही एक प्रगतिशील समाज की आधारशिला है और पंजाब सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी महिलाओं के कल्याण के लिए और अधिक प्रभावशाली एवं जनहितैषी पहलें जारी रहेंगी।

विजिलेंस ब्यूरो ने जूनियर इंजीनियर को 14,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान, पीएसपीसीएल दफ्तर तलवंडी साबो, जिला बठिंडा में तैनात जूनियर इंजीनियर लखवीर सिंह को 14,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संबंध में आज यहां राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को तलवंडी साबो, जिला बठिंडा के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के बेटे ने अपनी गाड़ी पार्क करते समय गली में स्थित बिजली के खंभे से टक्कर मार दी। गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और खंभा भी टूट गया।

आरोपी रेशम सिंह ए.एल.एम. और लखवीर सिंह जे.ई. मौके पर पहुंचे और कहा कि आपकी गाड़ी जब्त कर ली जाएगी। दोनों आरोपियों ने मामले को सुलझाने के लिए 25,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता के कहने पर वे 25,000 रुपये की बजाय 15,000 रुपये रिश्वत लेने के लिए तैयार हो गए। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने संबंधी पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो रेंज बठिंडा से संपर्क किया। उसकी शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने एक जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी जूनियर इंजीनियर को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 14,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना बठिंडा में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसके सह-आरोपी रेशम सिंह ए.एल.एम. को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त-समाचार

राज्यपाल द्वारा ईद-उल-फितर की शुभकामनाएँ

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब और चंडीगढ़ के नागरिकों को ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। श्री कटारिया ने अपने संदेश में कहा, मैं ईद-उल-फितर के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ और मंगलकामनाएँ देता हूँ। यह त्योहार पवित्र रमजान माह की समाप्ति का प्रतीक है और लोगों में सद्भाव, करुणा तथा आपसी भाईचारे की भावना को सशक्त करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पर्व समाज में आपसी सौहार्द, भाईचारे और साझा मूल्यों को और अधिक मजबूत करेगा। राज्यपाल ने अपने संदेश में नागरिकों से दयालुता, करुणा, परोपकार, उदारता और सहिष्णुता को अपनाने का आान किया। उन्होंने इस्लाम के उन मूल सिद्धांतों को याद करने पर जोर दिया, जो शांति, शुद्धता, ईश्वर की आज्ञा का पालन और समर्पण पर आधारित हैं।

पंजाब सरकार द्वारा पिछड़ी श्रेणियों के कल्याण हेतु 11 नए बोर्ड स्थापित

चंडीगढ़। पंजाब सरकार पिछड़ी श्रेणियों की सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह बात श्री मलकीत सिंह थिंद, चेयरमैन, पंजाब राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने पंजाब भवन में पिछड़ी श्रेणियों के लिए नवगठित 11 बोर्डों के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और सदस्यों के साथ बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से पहले ही कई कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं और अब नए बोर्डों की स्थापना से इन प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान बैकफिंको के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्व-रोजगार के लिए कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में ओबीसी विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के निर्माण हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे गए हैं और शीघ्र ही धनराशि प्राप्त होने की संभावना है। साथ ही, सरकारी नौकरियों और प्रवेशों में पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षण की सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। चेयरमैन श्री थिंद ने बोर्डों के सदस्यों को निर्देश दिए कि यदि किसी भी पात्र व्यक्ति को पिछड़ी श्रेणी का प्रमाण पत्र बनवाने में कोई कठिनाई आती है, तो उसे तुरंत संबंधित जिला अधिकारी के ध्यान में लाया जाए, ताकि आम लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान श्री सुखविंदर सिंह, चेयरमैन, कंबोज कल्याण बोर्ड; श्री बारी सलमानी उर्फ अब्दुल बारी, चेयरमैन, पंजाब राज्य मुस्लिम भलाई बोर्ड; श्री राम कुमार मुकारी, चेयरमैन, सैनी भलाई बोर्ड; गुरमीत सिंह बावां, चेयरमैन, वैरागी भलाई बोर्ड; सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर राजकुमार, चेयरमैन, गुर्जर भलाई बोर्ड; केशव वर्मा, चेयरमैन, स्वर्णकार भलाई बोर्ड; मख्खन लाल, चेयरमैन, सैन समाज भलाई बोर्ड; डैनियल मसीह, चेयरमैन, मसीह भलाई बोर्ड; श्री सतपाल सिंह सोखी, चेयरमैन, रामगढ़िया भलाई बोर्ड; तथा श्री राजू कनोजिया, चेयरमैन, कनोजिया भलाई बोर्ड उपस्थित थे।

चितकारा यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन एवं फिल्म महोत्सव का भव्य आयोजन

चंडीगढ़। चितकारा यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन एवं फिल्म फेस्टिवल का दूसरा संस्करण उत्साह और रचनात्मकता के माहौल के बीच आयोजित किया गया। दो दिनों तक चले इस महोत्सव में एनीमेशन, स्टोरीटेलिंग और डिजिटल क्रिएटिविटी की झलक देखने को मिली, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और क्रिएटर्स ने भाग लिया। चितकारा डिजाइन स्कूल के एनीमेशन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में फिल्म स्क्रीनिंग, पैनल डिस्कशन, मास्टरक्लास और स्टूडेंट शोकेस जैसे आकर्षक सत्रों का आयोजन किया गया। फेस्टिवल ने उभरती प्रतिभाओं को मंच देने के साथ-साथ इंडस्ट्री से सीधे जुड़ने का अवसर भी प्रदान किया। फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण रहे प्रसिद्ध कलाकार और कंटेंट क्रिएटर हारुन रॉबर्ट, जिन्होंने छात्रों के साथ संवाद करते हुए अपने अनुभव साझा किए और स्वयं करके सीखने की रचनात्मकता के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, डिजिटल स्टोरीटेलर प्रतीक सेठी ने अपने कार्यों के अनुभव साझा करते हुए कंटेंट क्रिएशन के बदलते ट्रेंड्स और दर्शकों से जुड़ाव के नए तरीकों पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रख्यात एनीमेशन फिल्म निमार्ता नीना सबनानी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। एनीमेशन और कहानी कहने के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक योगदान की सराहना की गई। चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा ने कहा कि ऐसे आयोजन युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच यह सेतु छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स लगातार 12वें साल बना ग्लोबल साउंडबार सेल्स में नंबर 1

चंडीगढ़। फ्यूचरसोर्स की एक नई रिसर्च के अनुसार, 2025 में सैमसंग ने ग्लोबल साउंडबार रेवेन्यू (राजस्व) में 21.5% और यूनिट वॉल्यूम में 19.7% की हिस्सेदारी हासिल की है। इसके साथ ही कंपनी ने 2014 से शुरू हुए अपने इस दबदबे को कायम रखा है। ग्लोबल टीवी बाजार में दो दशकों की लीडरशिप[1] के साथ यह बड़ी उपलब्धि, होम एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सैमसंग की सबसे आगे रहने वाली स्थिति को और मजबूत करती है। साउंडबार मार्केट में सैमसंग की इस लगातार सफलता के पीछे एडवांस ऑडियो टेक्नोलॉजी, इमर्सिव (शानदार) साउंड और सैमसंग टीवी के साथ इसकी सहज कनेक्टिविटी का अहम योगदान है।

अजय गुप्ता बने पीआरसीआई के नॉर्थ इंडिया डायरेक्टर

चंडीगढ़। पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) ने अजय गुप्ता को नॉर्थ इंडिया का डायरेक्टर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस भूमिका में, श्री गुप्ता उत्तर भारत क्षेत्र में पीआरसीआई की गतिविधियों और पहलों का नेतृत्व करेंगे और जनसंपर्क के क्षेत्र में विकास और उत्कृष्टता को बढ़ावा देंगे। अपने व्यापक अनुभव के साथ, श्री गुप्ता संगठन में नई सोच और ऊर्जा लेकर आने की उम्मीद है। पीआरसीआई को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में उत्तर भारत में उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। नॉर्थ इंडिया डायरेक्टर के रूप में, श्री गुप्ता का उद्देश्य इंडस्ट्री से जुड़े हितधारकों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करना, जनसंपर्क में बेहतर तरीकों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) को बढ़ावा देना और क्षेत्र में पीआरसीआई की पहचान को और मजबूत करना है। उनकी नियुक्ति से भारत में जनसंपर्क के पेशे को आगे बढ़ाने के ढफ्छकके मिशन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

यू.के. की सांसद बीबी प्रीत कौर गिल सचखंड श्री हरिमंदिर मंदिर साहिब में हुए नतमस्तक

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

यू.के. बर्मिंघम के एजबेस्टन से सांसद ने आज सचखंड श्री हरिमंदिर मंदिर साहिब में माथा टेका और गुरु साहिब के प्रति अपनी श्रद्धा जाहिर की। माथा टेकने के बाद, वह शिरोमणि

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के ऑफिस भी पहुंचीं, जहाँ उन्होंने शिरोमणि कमेटी के प्रेसिडेंट एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी से मुलाकात की। इस मौके पर शिरोमणि कमेटी के प्रेसिडेंट एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने बीबी प्रीत कौर गिल का स्वागत किया और उन्हें गुरु बख्शीश का सिरोपा और सचखंड श्री हरमंदिर साहिब का एक सुनहरा मॉडल देकर सम्मानित किया।इस मौके पर बीबी प्रीत कौर गिल ने शिरोमणि कमेटी से मिले सम्मान के लिए एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि वह सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेककर खुद को खुशकिस्मत मानती हैं। उन्होंने कहा कि सचखंड श्री हरमंदिर साहिब पूरी इंसानियत के लिए पथ-दशहरा है। सांसद बनने के बाद वह गुरु साहिब का शुक्रिया अदा करने और सभी की भलाई के लिए अरदास करने आई हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुरु साहिब से अरदास की कि दुनिया में मौजूदा जंग के हालात कम हों और पूरी दुनिया में शांति बनी रहे।इस मौके पर शिरोमणि कमेटी के अंदरूनी सदस्य दलजीत सिंह भिंडर, मंगविंदर सिंह खापडखेड़ी, सदस्य भाई राजिंदर सिंह मेहता, अजमेर सिंह खेड़ा, प्रितपाल सिंह पाली, भाई अजैब सिंह अभिषेक, बीबी परमजीत कौर, सैक्रेटरी बलविंदर सिंह काहलवां, निजी सैक्रेटरी शहबाज सिंह, डिप्टी सैक्रेटरी हरभजन सिंह वक्ता और दूसरे लोग मौजूद थे।

रेलवे क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

: उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रेलवे क्लब फिरोजपुर में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला रेलकर्मियों द्वारा रेलवे विभिन्न विभागों में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर सविस्तर चर्चा की गई। सम्बन्धी विषय पर अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसने सभी को जागरूक और प्रेरित किया। इसके अलावा अन्य संस्कृतक प्रस्तुतियां भी महिला कर्मचारियों द्वारा दी गई।

मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय रेल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, फिरोजपुर मंडल में महिला कर्मचारी दर 6.49% है जो

उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। अब महिलाएं सिर्फ दफ्तरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ट्रेन संचालन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि मंडल के जालंधर शहर स्टेशन एक दिन महिलाओं के नाम किया गया जिसमें टिकट चैकिंग, गाड़ी मरम्मत, सिगनलिंग परिचालन आदि संबंधी सभी कार्य महिला कर्मचारियों द्वारा ही किया गया और जालंधर-फिरोजपुर के बीच एक गाड़ी पूर्णतया महिला कर्मचारियों के द्वारा संचालित की गई। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम ऋ्री ३ङ्घ ऋ्ल्ल है, जो सहयोग और सशक्तिकरण का संदेश देती है। मंडल रेल प्रबंधक ने लड़कियों को अच्छी शिक्षा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में, उत्कृष्ट कार्य करने वाली 30 महिला रेल कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, फिरोजपुर की अध्यक्षा डॉ. मोनिशा शर्मा द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नितिन गर्ग, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती साक्षी सिंह, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

23 एटीएम कार्ड, 2 लैपटॉप, 7 मोबाइल फोन, 5 सिम कार्ड, जाली केवाईसी दस्तावेज, 14 चेक बुकें, उद्यम सर्टिफिकेट और 6 टिकटें भी की जब्त

धोखाधड़ी से चीन के कुछ नागरिकों के खातों में पैसे भेजने वाले म्यूल अकाउंट गिरोह के तीन व्यक्ति गिरफ्तार; खातों में पड़े 20 लाख रुपये किये फ्रीज, 5100 डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान पंजाब पुलिस के स्टेट साइबर क्राइम डिवीजन ने साइबर धोखाधड़ी करने वालों को फर्जी फंडों की रूटिंग, लेयरिंग और सेटलमेंट के लिए चालू बैंक खाते (म्यूल खाते) खोलने और उपलब्ध करवाने में शामिल गिरोह के तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार करके गिरोह का पदार्फाश किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

म्यूल खाता ऐसा बैंक खाता होता है, जिसे अपराधी खाता धारक की जानकारी के बिना या कई बार उसकी मिलीभगत से गैर-कानूनी फंड प्राप्त करने, ट्रांसफर करने या लॉन्ड्रिंग करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरजीत सिंह, रमन राय और सुखदेव सिंह के रूप में हुई है, जो सभी फाजिल्का के जलालाबाद के निवासी हैं और वर्तमान में मोहाली के फेज-5 में किराए के कमरे से ब्रदर ट्रेडर्स के नाम से चालू बैंक खातों के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी में सक्रिय थे।

पुलिस टीमों ने गिरोह से जुड़े बैंक खातों में लगभग 20 लाख रुपये जब्त किए हैं। इसके अलावा 23 ए.टी.एम. कार्ड, दो लैपटॉप, सात मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, जाली बैंक / केवाईसी दस्तावेज जिनमें 14 चेक बुकें और उद्यम सर्टिफिकेट, छह टिकटें और 5100 यूएसडीटी मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी बरामद की गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपी पिछले दो सालों से ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल थे, साइबर धोखाधड़ी करने वालों को म्यूल बैंक खाते प्रदान करके अब तक लगभग 50 लाख रुपये का कमीशन कमा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, बैंक खाते जाली तरीके और फर्जी दस्तावेजों से खोले गए थे और जांच से बचने के लिए, आरोपियों ने मोहाली में एक किराए के कमरे में फर्जी कारोबार सेट किया हुआ था और समय-समय पर होर्डिंग बदलते रहते थे। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) साइबर क्राइम वी. नीरजा ने कहा कि यह कार्रवाई साइबर अपराध को रोकने के लिए चल रहे ऑपरेशनों के तहत की गई है। उन्होंने कहा, जांच से पता लगा है कि आरोपी व्यक्ति टेलीग्राम के माध्यम से सीधे तौर पर चीनी नागरिकों से जुड़े हुए थे और उन्हें बैंक खाते प्रदान करवाकर यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी में मुनाफा प्राप्त करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आई4सी के समन्वय पोर्टल पर पुष्टि किए गए अंतर-राज्यीय लिंकेज के माध्यम से ये म्यूल खाते 24 साइबर धोखाधड़ी पीड़ितों से जुड़े हुए थे, जिनमें 26.65 लाख रुपये लीन मार्क कर दिए गए हैं।

विशेष डीजीपी ने कहा कि इस गिरोह से जुड़े साइबर धोखाधड़ी के अन्य पीड़ितों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क की पड़ताल के लिए बरामद किए गए ए.टी.एम. कार्डों की जांच जारी है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 16 दिनांक 17/3/2026 को पुलिस स्टेशन स्टेट साइबर क्राइम, पंजाब में बीएनएस की धारा 318(4) और 61(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट की धारा 66डी के तहत केस दर्ज किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस्कॉन और प्रेम मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी (हि.स.)
मथुरा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने तीन दिवसीय मथुरा प्रवास के लिए गुरुवार को कान्हा की नगरी पहुंचीं। कैंट हेलीपैड पर उतरने के बाद राष्ट्रपति ने ब्रज के सुप्रसिद्ध इस्कॉन और प्रेम मंदिर के दर्शन किए।

इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उनका परिवार भी मौजूद रहा।गुरुवार दोपहर राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर सेना के हेलीपैड पर उतरा। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, लेफ्टिनेंट जनरल वी. हरिहरन, अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ, मंडलायुक्त आगरा नगेन्द्र प्रताप, ग्रुप कैप्टन शिवम मनचंदा और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति का काफिला सीधे वृंदावन के लिए रवाना हुआ।

राष्ट्रपति सबसे पहले वृंदावन स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचीं। मंदिर के 50वें स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर उन्होंने राधा- श्यामसुंदर के विग्रह का विधि- विधान से पूजन और आरती की। मंदिर के प्रेसिडेंट पंचगौड़ा दास ने बताया कि राष्ट्रपति मंदिर की साज-सज्जा और भक्तिमय वातावरण से बेहद प्रभावित हुईं। पूजन के उपरांत राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में बच्चों से आत्मीयता से बातकर उन्हें चॉकलेट भेंट की। उन्होंने मंदिर अधिकारियों से कहा कि वे यहां पुनः दर्शन के लिए आना चाहेंगी।

इस्कॉन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु प्रेम मंदिर पहुंचीं, जहां अजय बाबा और अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति ने परिवार के साथ मंदिर में आयोजित विशेष 'वाटर लेजर शो' का आनंद लिया। इसके पश्चात उन्होंने गर्भगृह में श्री राधा-कृष्ण के युगल स्वरूप की आरती उतारी। इस दौरान संकीर्तन मंडली के 51 आश्रमवासियों द्वारा किए गए मधुर गायन ने वातावरण को पूरी तरह कृष्णमय कर दिया। राष्ट्रपति ने मंदिर की परिक्रमा की और प्रथम तल पर स्थित श्री सीता-राम जी के भी दर्शन किए। मंदिर प्रबंधन की ओर से उन्हें प्रसाद, तुलसी माला, दुपट्टा और धार्मिक साहित्य भेंट किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे को देखते हुए पूरे मथुरा- वृंदावन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ और एसएसपी श्लोक कुमार स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले रहे। राष्ट्रपति का यह दौरा ब्रज की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को वैश्विक पटल पर एक नई ऊंचाई प्रदान करने वाला रहा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रेमानंद महाराज से की भेंट

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने दूसरे दिन के दौरे के दौरान वृंदावन में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और बातचीत की। राष्ट्रपति की इस यात्रा को लेकर पूरे मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वो सुबह करीब 7:30 बजे सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच आश्रम पहुंचीं। प्रेमानंद महाराज ने राष्ट्रपति को ब्रज की महिमा और सेवा भाव का महत्व समझाया। इस आध्यात्मिक मिलन ने न केवल ब्रजवासियों बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा है। आश्रम पहुंचने पर प्रेमानंद महाराज के शिष्यों और परिकरों ने राष्ट्रपति का भव्य एवं पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मु और पूज्य महाराज के बीच वार्तालाप हुआ। इस भेंट के दौरान मुख्य रूप से अध्यात्म, निस्वार्थ सेवा और जनकल्याण जैसे गहन विषयों पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति नीम करोली बाबा के स्मारक का भी दौरा करेंगी। शाम को वे रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में एक नए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित संस्था वात्सल्य ग्राम में भी रुकेंगी। उनकी यात्रा 21 मार्च को गोवर्धन के दंगहाटी मंदिर में प्रार्थना के साथ समाप्त होगी। नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले सात मील की पारंपरिक गोवर्धन परिक्रमा करेंगी। राष्ट्रपति के मथुरा और वृंदावन दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कारणों और आतंकी संगठनों के संभावित खतरों के मद्देनजर पूरे जनपद को ह्नो-फ्लाई जोनह्ल घोषित कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश के अनुसार, मथुरा जनपद की सीमा में यह पाबंदी 19 मार्च को सुबह 10 बजे से लागू हो गई है और 21 मार्च को शाम 05 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान जिले में ड्रोन, पतंग या किसी भी प्रकार के गुब्बारे उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

तमिलनाडु में चार-कोणीय चुनावी मुकाबला तय, विजय ने अकेले लड़ने का किया ऐलान

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तस्वीर अब लगभग साफ हो गई है। राज्य में चार-कोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है, जिससे चुनावी संघर्ष और भी दिलचस्प हो गया है।

राज्य में 2019 से मजबूत स्थिति में रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल, विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मनिथनेया मक्कल कच्ची जैसे दल शामिल हैं। हाल ही में कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम भी इस गठबंधन में जुड़ गए हैं।

दूसरी ओर, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में अनबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल कच्ची, टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम और जी.के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी शामिल हैं।

इस बीच अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम को लेकर कई अटकलें चल रही थीं। कांग्रेस के साथ उनके संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज थीं और यहां तक कहा गया कि राहुल गांधी से उनकी बातचीत भी हुई है। हालांकि, कांग्रेस ने अंततः द्रमुक के साथ ही अपना गठबंधन बरकरार रखा।

इसके बाद टीवीके के राजग में शामिल होने और विजय को उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश जैसी खबरें भी सामने आईं। लेकिन इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए विजय ने एक इफ्तार कार्यक्रम में साफ कर दिया कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। उन्होंने घोषणा की कि टीवीके अपने दम पर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाने का दावा भी किया। वहीं, सीमान की पार्टी नाम तमिलर कच्ची भी हर बार की तरह अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। इस प्रकार राज्य में चार प्रमुख मोर्चे बन गए हैं।

उल्लेखनीय है कि द्रमुक गठबंधन 2019 से लगातार चुनाव जीतता आ रहा है, जो उसकी बड़ी ताकत मानी जा रही है। वहीं अन्नाद्रमुक पिछली हार की भरपाई के इरादे से भाजपा और सहयोगी दलों के साथ रणनीति बना रही है। सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा भले ही अभी बाकी हो, लेकिन अंदरूनी स्तर पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। इधर, अन्य दल जहां गठबंधन में व्यस्त हैं, वहीं नाम तमिलर कच्ची पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर चुनाव प्रचार शुरू कर चुकी है। पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 8 प्रतिशत वोट शेयर मिलने से पार्टी का मनोबल भी बढ़ा है।

आगरा में पेड़ टकराई बोलेरो, केला देवी से दर्शन कर लौट रहे इटावा के पांच श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी (हि.स.)
आगरा

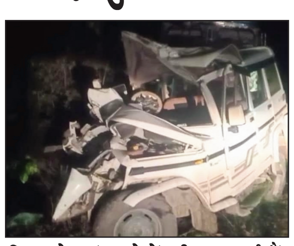

उत्तर प्रदेश के आगरा जनपद में गुरुवार रात केला देवी राजस्थान से दर्शन कर लौट रहे इटावा निवासी श्रद्धालुओं की बोलेरो पेड़ से टकराकर चकनाचूर हो गई। इस हादसे में ने पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना का कारण बोलेरो चालक को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। आगरा जनपद के थाना चित्रहाट अंतर्गत ग्राम पई के पास आधीरात लगभग 12 बजे बोलेरो (यूपी 79 एक्स 1851) पेड़ से टकरा गई। कार में चालक सहित नौ लोग सवार थे। दुर्घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची और रेस्क्यू कर सभी लोगों को सीएचसी जैतपुर एंबुलेंस से भेजा। डॉक्टरों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया और चार लोगों की हालत गंभीर बताते हुए सैफई मेडिकल कॉलेज इटावा भेजा दिया। डीसीपी पूर्वी जोन आगरा अभिषेक अग्रवाल ने बताया दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की मृत्यु हुई हैं। इनकी पहचान इटावा जिले गण नगला वर थाना इकदिल निवासी दीपक की पुत्री आराध्य (08), देवेंद्र (35) और उनकी पत्नी सीमा (32), कामता (60) और प्रतापपुरा के रहने वाले ऋषि (30) के रूप में हुई है। घायलों में दीपक का बेटा ऋषभ, बेटी रश्मि, देवेंद्र का पुत्र आदित्य और औरैया के गोहनिकला का रहने वाला अवनीश शामिल हैं। सभी को मेडिकल कॉलेज इलाज के लिए भेजा गया है। डीसीपी पूर्वी जोन ने बताया सभी लोग मां केला देवी के दर्शन करके वापस लौट रहे थे। रस्ते में ड्राइवर को नींद आने से बोलोरो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पेड़ से जा टकरा गई।

सिंहस्थ 2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : मोहन यादव

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

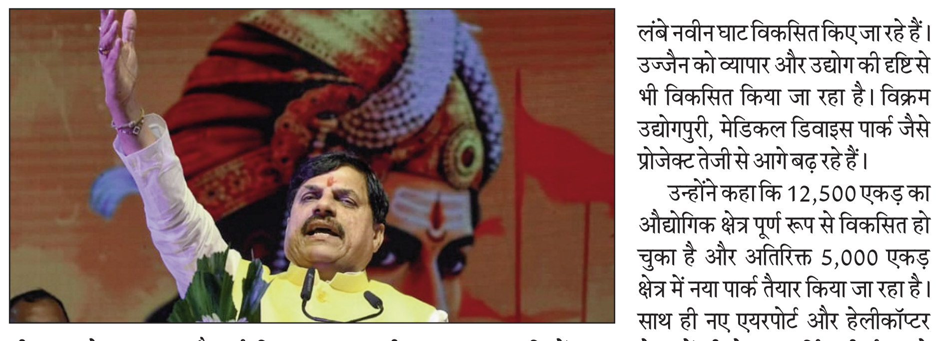

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से उज्जैन में चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने वाला है। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार की रात विक्रमोत्सव 2026 अंतर्गत उज्जैन में शिप्रा के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरम्भ उत्सव को संबोधित को कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन को परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उन्होंने कहा कि उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिलिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्षप्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है। वही ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रम उत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुनर्स्थापना का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं। उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5,000 एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा।

विक्रमोत्सव अंतर्गत आयोजित सृष्टि आरम्भ उत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ संगीत, संस्कृति और तकनीक के संगम के रूप में उज्जैन को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान प्रदान की। सृष्टि आरम्भ उत्सव ने उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आस्था और आधुनिक आयोजन क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त-समाचार

शिवमोग्गा में गर्भवती दरियाई घोड़े के हमले से पशु चिकित्सक की मौत, मंत्री ने जताया शोक

शिवमोग्गा। कर्नाटक राज्य के शिवमोग्गा स्थित त्यावरेकोप्पा टाइगर एंड लायन सफारी में दरियाई घोड़ा के हमले से एक पशु चिकित्सक की मौत हो गई। चिकित्सक गर्भवती दरियाई घोड़ा का इलाज करने गई थी। डॉक्टर की मौत पर राज्य के वन, पर्यावरण एवं जीव विज्ञान मंत्री ईश्वर खंड्रे ने गहरा शोक व्यक्त किया और पूरी घटना की जांच करने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि बेंगलुरु निवासी 27 वर्षीय डॉ. समीक्षा रेड्डी हाल ही में पशु चिकित्सक के रूप में चयनित हुई थीं और प्रशिक्षण ले रही थीं। गुरुवार रात करीब 10:30 बजे वह चिड़ियाघर अस्पताल में ह्यसन कॉनरह्ल पक्षी के उपचार के लिए गई थीं। इसके बाद गर्भवती दरियाई घोड़ा के शरीर का तापमान थर्मल कैमरे से जांचने के लिए उसके बाड़े में प्रवेश किया। तभी दरियाई घोड़ा ने अचानक डॉ रेड्डी पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल डॉ. रेड्डी को रात करीब 11:45 बजे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आपातकालीन सर्जरी के बावजूद शुक्रवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना पर कर्नाटक के वन, पर्यावरण एवं जीव विज्ञान मंत्री ईश्वर खंड्रे ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मृतक के परिजनों को नियमानुसार तुरंत मुआवजा दिया जाए। साथ ही सभी चिड़ियाघरों में वन्यजीवों के उपचार के दौरान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जांच के आदेश घटना की जांच के लिए वरिष्ठ पशु चिकित्सकों और वन अधिकारियों की टीम गठित की गई है। मंत्री ने 7 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मनीष मल्होत्रा की मां का निधन, घर पहुंचे सितारे

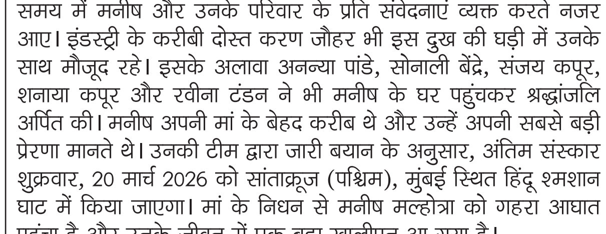

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की मां सुदर्शन मल्होत्रा के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सुदर्शन मल्होत्रा ने 94 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। इस दुखद खबर के बाद बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां मनीष के मुंबई स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हें सांत्वना देती नजर आईं। इस दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन भी परिवार के साथ खड़े दिखाई दिए। अंतिम दर्शन के लिए कई फिल्मी सितारे मनीष मल्होत्रा के घर पहुंचे। इनमें करिश्मा कपूर, उर्मिला मातोंडकर, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर जैसे नाम शामिल हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में सभी सितारे इस कठिन समय में मनीष और उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते नजर आए। इंडस्ट्री के करीबी दोस्त करण जौहर भी इस दुख की घड़ी में उनके साथ मौजूद रहे। इसके अलावा अनन्या पांडे, सोनाली बेंद्रे, संजय कपूर, शनाया कपूर और रवीना टंडन ने भी मनीष के घर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मनीष अपनी मां के बेहद करीब थे और उन्हें अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानते थे। उनकी टीम द्वारा जारी बयान के अनुसार, अंतिम संस्कार शुक्रवार, 20 मार्च 2026 को सांताक्रूज (पश्चिम), मुंबई स्थित हिंदू श्मशान घाट में किया जाएगा। मां के निधन से मनीष मल्होत्रा को गहरा आघात पहुंचा है और उनके जीवन में एक बड़ा खालीपन आ गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नवरात्रि के आध्यात्मिक वातावरण पर संस्कृत सुभाषितम किया साझा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुक्रवार को देवी ब्रह्मचारिणी की दिव्य और परोपकारी कृपा पर प्रकाश डालते हुए एक संस्कृत सुभाषितम साझा किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज नवरात्रि के गहन आध्यात्मिक वातावरण पर अपने विचार साझा करते हुए एक्स पर लिखा, संस्कृत सुभाषितम के पाठ में देवी ब्रह्मचारिणी की दिव्य और दयालु कृपा का वर्णन है। नवरात्रि में मां अम्बे की भक्ति से सराबोर वातावरण मन को असीम शांति और ऊर्जा से भर देने वाला है। माता को समर्पित श्रद्धा और विश्वास की गूंज हृदय को स्पंदित कर जाती है।ӿ उन्होंने मां अम्बे को समर्पित एक भक्ति गीत भी सुनाया। उन्होंने लिखा कि मां ब्रह्मचारिणी के चरणों में कोटि-कोटि नमन! देवी मां सभी भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें। उन्होंने ह्यदधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू। देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।ह्ल नाम का एक श्लोक साझा किया, जिसका अर्थ है जो देवी अपने कमल जैसे हाथों में माला और जल का कलश रखती हैं वह परम श्रेष्ठ देवी ब्रह्मचारिणी मुझ पर कृपा करें।

धामी मंत्रिमंडल का विस्तार, पांच विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

देहरादून। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल का शुक्रवार को विस्तार किया गया। इस दौरान पांच विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। लोकभवन में प्रातः लगभग 10:30 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) ने नवनियुक्त मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में राजपुर (देहरादून) से खजान दास, रुद्रप्रयाग से भरत सिंह चौधरी, हरिद्वार से मदन कौशिक, रुड़की से प्रदीप बत्रा और भीमताल (नैनीताल) से राम सिंह कैड़ा शामिल हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में वरिष्ठता एवं क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि वे जनहित एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। समारोह में मंत्री, विधायक, मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम के स्कूलों में बम की अफवाह फैलाने वाला बांग्लादेशी काबू

एजेंसी (हि.स.)
गुरुग्राम

गुरुग्राम के स्कूलों में बम होने की झूठी ईमेल भेजकर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपित करीब नौ साल पहले अवैध रूप से बांग्लादेश से भारत आया था और फर्जी दस्तावेजों के सहारे यहां रह रहा था।

पुलिस पूछताछ में आरोपित सौरभ विश्वास उर्फ माइकल (30 वर्ष) ने स्वीकार किया कि उसने स्कूलों में डर का माहौल पैदा करने के लिए बम होने की अफवाह फैलाई थी। वह मूल रूप से बांग्लादेश का निवासी है और फिलहाल पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के श्रीपल्ली बाजार, गोविंदपल्ली इलाके में रह रहा था।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक्स का काम करता था और पिछले पांच वर्षों से फ्रीलांसिंग कर रहा था। वह एक फेसबुक ग्रुप के माध्यम से मामुनूर राशिद नामक व्यक्ति के संपर्क में आया, जिसने उससे जीमेल आईडी मांगीं। आरोपित ने करीब 300 जीमेल आईडी उपलब्ध करवाईं, जिसके बदले उसे लगभग 250 यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) प्राप्त हुए।

पुलिस के अनुसार, इन्हीं ईमेल आईडी में से एक का इस्तेमाल गुरुग्राम के स्कूलों में बम होने की झूठी सूचना भेजने के लिए किया गया था।

दरअसल, 28 जनवरी 2026 को गुरुग्राम के कई स्कूलों में बम होने की सूचना ईमेल के जरिए मिली थी। सूचना मिलते ही हरियाणा पुलिस, डॉग स्क्वॉड, बम निरोधक दस्ते और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और व्यापक जांच की, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक नहीं मिला।

इस मामले में स्कूल प्रबंधन की शिकायत पर साइबर दक्षिण थाना, गुरुग्राम में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपित को गुजरात से गिरफ्तार किया। फिलहाल हरियाणा पुलिस आरोपित से गहन पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

दिल्ली में दिनभर रुक-रुक कर बारिश का पूवानुमान अनेक राज्यों में तेज आंधी की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली में आज सुबह से हल्की बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली के मौसम में यह बदलाव दिख रहा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिनभर रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। विभाग ने कल पूवार्नुमान जताया था कि शुक्रवार को भी दिल्ली में पश्चिमी विक्षोभ का असर नजर आएगा। आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। साथ ही लगभग 19 राज्यों में तेज आंधी के दौरान बेमौसमी बरसात हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के असर से दो दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश से तापमान में छह से सात डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का बड़ा असर उत्तर भारत में हुआ है। दिल्ली-एनसीआर समेत मैदानी इलाकों में तेज हवाओं और बारिश ने दस्तक दी है। पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी हो रही है। आज से कुछ दिनों के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली से लेकर कश्मीर तक लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब के कई हिस्सों में ओलावृष्टि और बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में 50-60 किलीमीटर/घंटा की रफ्तार से धूल भरी आंधी और बिजली गिरने का खतरा है। इससे रबी की फसलों को नुकसान होने की आशंका जताई गई है। मौसम के कर-वट लेते ही पहाड़ों पर कड़ाके की ठंड लौट आई है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, रोहतांग और कुल्लू के ऊपरी हिस्सों में ताजा बर्फबारी के कारण तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है।

आईएमडी के मुताबिक बिहार में आज मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा भी चल सकती है। छत्तीसगढ़ में भी आज कुछ स्थानों पर आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है। उत्तराखंड में भी आज हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी के साथ कुछ जगहों पर भारी बारिश संभव है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मुजफ्फराबाद और गिलगित-बाल्टिस्तान में छिटपुट बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत, तमिलनाडु, केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कई जगहों पर बारिश और गरज-चमक की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आज धूल भरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

भाजपा नेता राजनाथ सिंह की जेवर एयरपोर्ट की परिकल्पना हुई साकार रूप, दुनिया के मानचित्र पर और उभरेगा नोएडा

एजेंसी (हि.स.)
नोएडा

वर्ष 2001 में तत्कालीन राजनाथ सिंह की सरकार ने केंद्र को भेजा था पहला प्रस्ताव

रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह की दूरदर्शिता और परिकल्पना अब साकार होकर अब जेवर एयरपोर्ट के रूप में सामने है। वर्ष 2001 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव तत्कालीन केंद्र में अटल सरकार को भेजा था। अब इस अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को करेंगे।

वर्ष 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह जेवर क्षेत्र में एक रैली में भाग लेने आए थे। उस समय जेवर में एयरपोर्ट बनने की चर्चा चल रही थी। उसके बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव तत्कालीन केंद्र सरकार को भेजा था। उस समय केंद्र में भाजपा की सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री थे। केंद्र सरकार ने वर्ष 2003 में एयरपोर्ट की स्थापना के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट को स्वीकार किया था। दरअसल, यमुना किनारे बसा यह क्षेत्र कभी विकास से दूर और अभाव भरा रहा था। उसके बाद सरकार बदली तथा उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती बनी। उन्होंने भी जेवर एयरपोर्ट बनाने की बात को आगे बढ़ाया, लेकिन धीरे-धीरे यह बात फाइलों में दबती चली गई। इसके बाद 16 वर्ष तक हवाई अड्डा की फाइल धूल में दबी रही। बीच में कभी राजस्थान के भिवानी, कभी हरियाणा और कभी यूपी के फिरोजाबाद में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के प्रयास हुए। तत्कालीन यूपी सरकारों ने इसे जेवर से इधर-उधर ले जाने का भरपूर प्रयास किया। फिर वर्ष 2014 में केंद्र में मोदी सरकार आई और गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा केंद्र सरकार में मंत्री बने। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट की स्थापना के लिए भरपूर प्रयास किया। उस समय उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार थी तथा सपा सरकार इसे फिरोजाबाद में बनाने की तैयारी कर रही थी। फिर समय बदला और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आई। इसके बाद दिल्ली और यूपी सरकार ने मिलकर जेवर में एयरपोर्ट बनाने की ठानी और यह सपना साकार हुआ।

बीच पूर्व में यूपीए सरकार ने यह कहकर इस परियोजना पर रोक दिया था कि यह परियोजना स्थल दिल्ली में मौजूद इंदिरा गांधी राष्ट्रीय हवाई अड्डे के 72 किलोमीटर के अंदर है, जबकि आईजीआई के संचालक जीएमआर ग्रुप ने दिल्ली के मौजूदा विमान क्षेत्र के 150 किलोमीटर के अंदर एक और अंतरराष्ट्रीय विमान क्षेत्र योजना का विरोध किया था। उनका दावा था कि यह यातायात और आईजीआई के राजस्व को प्रभावित करेगा। भाजपा नेताओं को तर्क था कि इस एयरपोर्ट के बनने से मथुरा, अलीगढ़, आगरा और वृंदावन से पर्यटक करीब एक घंटे में जेवर एयरपोर्ट पहुंच सकते हैं। इससे उत्तर प्रदेश में पर्यटन और वाणिज्यिक गतिविधियों में तेजी आएगी और गौतमबुद्ध नगर में विदेशी निवेश और आने की संभावनाएं बढ़ेगी।

इस संबंध में गौतमबुद्ध नगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने कहा कि देश का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जेवर में विकसित हो रहा है। उद्घाटन होते ही नोएडा दुनिया के मानचित्र पर एक बार फिर से उभरेगा। यह हवाई अड्डा न केवल नोएडा बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने ही इस हवाई अड्डे की योजना तैयार की थी और भाजपा की सरकार में ही यह हवाई अड्डा बनकर तैयार हुआ। उन्होंने कहा कि अगर पूर्व की सरकारें इसको गंभीरता से लेती तो अब तक इस क्षेत्र का आमूल चूल विकास हो चुका होता। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास और गरीबों के हित में काम करने को प्राथमिकता देती है। वही, जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि 28 मार्च को प्रधानमंत्री जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन को भव्य एवं उत्सव बनाने के लिए तैयारी की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि इस एयरपोर्ट का प्रथम चरण 1334 हेक्टेयर में बना है। दूसरा चरण 1365 हेक्टेयर में बनेगा, तीसरा व चौथा चरण 2054 हेक्टेयर में बनेगा। चौथा चरण तैयार होने पर इसमें पांच रनवे में तैयार होंगे। पहले चरण में इस पर 1.2 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष यात्रा कर सकते हैं, जबकि चौथा चरण पूरा होने पर 7.2 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष यात्रा कर सकते हैं।

भारत में ट्रेनिंग कर रही कजाकिस्तान टीम का हॉकी इंडिया ने किया स्वागत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का स्वागत किया है। यह टीम अभी भारत में है और 10 से 21 मार्च तक हरियाणा के सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में एक हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रही है। यह कैंप आगामी एशियन गेम्स क्वालिफायर्स 2026 की तैयारियों का एक हिस्सा है।

हॉकी इंडिया के अनुसार भारत के प्रमुख हॉकी प्रशिक्षण केंद्रों में से एक में आयोजित इस शिविर में विश्व स्तरीय सिंथेटिक टर्फ, उन्नत सुविधाएं और एक बेहद प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध है, जो कजाकिस्तान को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है।

भारत में अभ्यास के बारे में बात करते हुए कजाकिस्तान कोच ओल्गा उमानीवा ने कहा कि हम भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र सोनीपत में आकर बहुत खुश हैं, जिसने हमारी टीम का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया है। भारत में हॉकी का स्तर बहुत ऊंचा है और यही कारण है कि हमने यहां आने का फैसला किया है। हीरो एशिया कप 2025 के दौरान बिहार के राजगीर में प्रतिस्पर्धा करने के बाद यह भारत की हमारी दूसरी यात्रा है और एक बार फिर, यह अनुभव अमूल्य रहा है।

उमानीवा ने आगे कहा कि हमने यहां स्थानीय टीमों के खिलाफ कई मैत्रीपूर्ण मैच खेले हैं और प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा रहा है, जो हमारी तैयारी के इस चरण में बिल्कुल आवश्यक है। भारत को अपने प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चुनते समय हमने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुरूप सब कुछ उच्चतम स्तर पर आयोजित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया के सहयोग और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराने के लिए हम उनके तहे दिल से आभारी हैं।

2026 एशियाई खेलों के क्वालीफायर को देखते हुए, हमें ओमान, इंडोनेशिया, थाईलैंड और हांगकांग जैसी टीमों के साथ एक प्रतिस्पर्धी समूह में रखा गया है और हम एक मजबूत प्रदर्शन करने का लक्ष्य रख रहे हैं।

विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर काबिज कजाकिस्तान ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। जकार्ता में आयोजित एएचएफ कप 2025 में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। राजगीर में आयोजित हीरो एशिया कप 2025 में भी उन्हें बहुमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ, जहां उन्होंने भारत, जापान और चीन सहित शीर्ष एशियाई टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि हमें कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का भारत में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल वैश्विक स्तर पर हॉकी के विकास में योगदान देते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों को भी मजबूत करते हैं। भारत हमेशा से हॉकी को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है और मेहमान टीमों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम कजाकिस्तान टीम को उनकी तैयारियों और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि कजाकिस्तान जैसी टीमें उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के लिए भारत को अपना पसंदीदा स्थान चुन रही हैं। यहां मिलने वाली गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और प्रतिस्पर्धी परिस्थितियां एशियाई खेलों के क्वालीफायर की तैयारियों में निश्चित रूप से उनके लिए फायदेमंद होंगी। इस तरह की पहल भारत के वैश्विक हॉकी केंद्र के रूप में बढ़ते महत्व को दर्शाती हैं और अंतरराष्ट्रीय हॉकी समुदाय में सार्थक योगदान देने के हमारे प्रयासों को मजबूत करती हैं।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए थाईलैंड पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए शुक्रवार सुबह थाईलैंड पहुंची। 20 साल बाद एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय युवा टीम को यहां बैंकॉक में स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए 13 दिन का समय मिलेगा।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत का दो अप्रैल को जापान के खिलाफ करेगी। इसके बाद पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे से सामना होगा। समूह की शीर्ष दो टीमें और तीनों समूहों में से सर्वश्रेष्ठ दो तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इसके अलावा, क्वार्टर फाइनल के चारों विजेता फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे। मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन के नेतृत्व में भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय महिला लीग के पहले चरण के समापन के बाद जनवरी में बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू किया था। बाद में, उन्होंने स्वीडन में एक महीने का शिविर लगाया, जहां उन्होंने स्वीडिश क्लबों की वरिष्ठ टीमों के खिलाफ पांच मैत्रीपूर्ण मैच खेले। स्कैंडिनेविया से लौटने के बाद, युवा टीम ने कोलकाता में अपना प्रशिक्षण जारी रखा, जहां से वे थाईलैंड की राजधानी के लिए रवाना हुईं। कोच एलेक्जेंडर्सन टूनामेंट शुरू होने से कुछ समय पहले ही 23 सदस्यीय अंतिम टीम की घोषणा करेंगे।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए 24 सदस्यीय टीम

गोलकीपर : मोनालिसा देवी मोइरांगथेम, नंदिनी, रिबांसी जामू।

डिफेंडर : अलका इंदवार, सिंडी रेमरूअटपुई कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रुचि यादव, साहेना टीएच, शुभांगी सिंह, थोइबिसाना चानू तोइजाम।

मिडफील्डर : अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामिराकपम, भूमिका देवी खुमुकचम, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, श्रुति कुमारी।

फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, दीपिका पाल, ल्हिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, सुलंजना राउल।

हमारी गेंदबाजी को काफी निखार रहे हैं भरत सर : ऋषभ पंत

एजेंसी
लखनऊ

आईपीएल के पिछले सत्र में गेंदबाजी लखनऊ सुपर किंग्स की कमजोर कड़ी थी लेकिन कप्तान ऋषभ पंत का कहना है कि सहयोगी स्टाफ में भरत अरूण के आने से इस विभाग में टीम को मजबूत करने में काफी मदद मिल रही है।

पंत ने जियोस्टार से बातचीत में लखनऊ टीम के चेन्नई में लगाये गए शिविर और भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच अरूण के जुड़ने से टीम के युवा तेज गेंदबाजों को मिल रही मदद के बारे में बताया।

पंत ने कहा, तेज गेंदबाजों के साथ शिविर बेहतरीन रहा। भरत अरूण सर के आने से काफी मदद मिल रही है। हमने इस पर काफी बात की है कि मैं गेंदबाजों से क्या चाहता हूं और वह इसमें क्या मदद कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, वह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कोचों में से एक हैं और उनके साथ काम करने के अनुभव के कारण मुझे पूरा भरोसा है। वह अपने साथ अपार अनुभव लाये हैं। गेंदबाजों को उन पर भरोसा है और वे उनसे बात करते हैं। आपको एक गेंदबाजी कोच से यही चाहिये होता है।

पंत ने कहा, पिछले सत्र का प्रदर्शन देखें तो हमें गेंदबाजी में सुधार की जरूरत थी। इसमें अरूण सर हमारी मदद कर सकते हैं और मुझे खुशी है कि वह टीम के साथ हैं।

ड्रेसिंग रूम में सबसे मजाकिया इंसान पंत ने कहा कि इससे तनाव के पलों में माहौल हल्का करने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हंसी मजाक सबको पसंद है क्योंकि माहौल वैसे ही इतना तनावपूर्ण है। हर कोई एक दूसरे के साथ का आनंद लेना चाहता है। बहुत सारा तनाव लेकर मजा नहीं आता और आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट हराया, सीरीज में 2-1 से बढ़त

एजेंसी (हि.स.)
ऑकलैंड

गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लैथम की नाबाद 63 रन की अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी-20 मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया।

ऑकलैंड में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 136 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवरों में दो विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है।

137 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने 11वें ओवर में डेवोन कॉन्वे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्वे ने 26 गेंदों में चार चौके और दो छक्के कीम मदद से 39 रन बनाये। टिम रॉबिन्सन 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद निक केली ने एक रन लेते हुए टीम की जीत सुनिश्चित की। टॉम लैथम ने 55 गेंदों में सात चौके और दो छक्के जड़ते हुए नाबाद 63 रनों की पारी खेली।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और उसके नियमित अंतराल में विकेट गिरते रहे। टीम के लिए नकोबानी मोकोएना ने सबसे ज्यादा नाबाद 26 रन की पारी खेली। उनके अलावा जॉर्ज लिंडे ने 23, डियान फॉरेस्टर ने 17, गेराल्ड कोएत्जी ने 16, कॉनर एस्टरहुइजन और टोनी डी जोर्जी ने 15-15 रनों का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर, काइल जैमीसन और बेन सियर्स ने 2-2 विकेट चटकाए। लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम और कोल मैककॉन्ची ने 1-1 विकेट लिया।

दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज का चौथा टी-20 मैच 22 मार्च को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

ब्रिटेन में बिना टिकट फुटबॉल स्टेडियम में घुसना अब दंडिक अपराध

लंदन। आर्सनल और मैनचेस्टर सिटी के बीच वेम्बले स्टेडियम पर होने वाले इंग्लिश लीग कप फाइनल से पहले लागू हुए नये कानून के तहत अब ब्रिटेन में बिना टिकट फुटबॉल मैच देखना अपराध की श्रेणी में आयेगा। जुलाई 2021 में यूरोपीय चैम्पियनशिप फाइनल में हजारों दर्शक बिना टिकट नेशनल स्टेडियम में घुस गए थे जिससे हिंसा भड़क गई थी। इसके बाद सरकार की समीक्षा में पाया गया कि लोगों की जिंदगियां खतरे में थी और बिना टिकट स्टेडियम में घुसने वालों के लिये सजा कम थी। इसलिये इसे दंडिक अपराध बनाने की मांग की गई। इसके तहत अब बिना टिकट स्टेडियम में घुसने वाले दर्शक को पांच साल तक फुटबॉल से प्रतिबंध और 1000 पाउंड तक जुमार्ना झेलना पड़ सकता है। इससे पहले इस तरह की किसी सजा का प्रावधान नहीं था।

आईएमएल के दूसरे सत्र में भाग लेंगे दिग्गज क्रिकेटर

मुंबई। सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, युवराज सिंह, शेन वाटसन, क्रिस गेल और कुमार संगकारा जैसे धुरंधर पूर्व क्रिकेटर 24 अक्टूबर से 14 नवंबर तक होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के दूसरे सत्र में भाग लेंगे। ये मैच मुंबई, वडोदरा और विशाखापत्तनम में खेले जायेंगे। लीग के कमिश्नर सुनील गावस्कर ने कहा, आईएमएल के पहले सत्र ने साबित कर दिया कि दिग्गज क्रिकेटरों का जादू अभी भी प्रशंसकों के सिर चढकर बोलता है। दूसरे सत्र में फोकस उस अनुभव को बेहतरीन प्रतिस्पर्धा, यादगार पलों और खेल के लिये उसी जुनून से जोड़ने पर रहेगा। दूसरे सत्र में छह फ्रेंचाइजी टीमें भारत, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका की होंगी।

राजस्थान रॉयल्स के लिये आईपीएल 2026 सत्र नहीं खेल सकेंगे सैम कुरेन

जयपुर। इंग्लैंड के करिश्माई हरफनमौला सैम कुरेन ग्रोइन की चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स के लिये इंडियन प्रीमियर लीग का अगला सत्र नहीं खेल सकेंगे जबकि टीम विकल्प पर विचार कर रही है। भारत से टी20 विश्व कप सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड टीम के सदस्य रहे कुरेन को राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स से खरीदा था। उनके बदले में संजू सैमसन अब चेन्नई टीम के लिये खेलेंगे। पंजाब किंग्स और चेन्नई के लिये खेल चुके 27 वर्ष के कुरेन को आईपीएल 2023 सत्र के पहले 18.5 करोड़ रुपए में खरीदा गया था लेकिन चोट के कारण वह बाहर ही रहे। चेन्नई के लिये 2020 और 2021 में खेल चुके कुरेन पिछले सत्र से पहले 2 . 4 करोड़ में टीम से जुड़े थे। उन्होंने पिछले सत्र में 114 रन बनाये और एक विकेट लिया। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने रविंद्र जडेजा या कुरेन को कप्तान नहीं बनाये जाने पर हैरानी जताई थी। रॉयल्स ने रियान पराग को कप्तानी सौंपी थी।

तन्वी, अर्जुन-हरिहरन ओरलियंस मास्टर्स के अगले दौर में

ओरलियंस। भारत की तन्वी शर्मा के अलावा हरिहरन अमसकारुनन और एम आर अर्जुन की पुरुषों की युगल जोड़ी ने गुरुवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए ओरलियंस मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी ने राउंड 16 के मुकाबले में अपनी ही देश की उभरती हुई युवा खिलाड़ी अनमोल खरब को सीधे गेम में 21-14, 21-17 से हराया। तन्वी ने पहले दिन थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सुपानिदा काटेथोंग पर उलटफेर भरी जीत दर्ज की थी। पुरुषों के युगल में हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल पर 35 मिनट में 26-24, 21-14 से शानदार जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को हराया

एजेंसी (हि.स.)
ऑकलैंड

न्यूजीलैंड महिला टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है और अब वह सीरीज जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है।

ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में सात विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने 39 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 37 रन की पारी खेली। वहीं एनेरी डर्कसेन ने 18 गेंदों में 27 रन और क्लो ट्रायोन ने 12 गेंदों में 15 रन बनाए। आखिरी ओवरों में कायला रेनेके ने 20 गेंदों में नाबाद 34 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स ने दो-दो विकेट हासिल किए। जेस केर और रोजमेरी मैयर को एक-एक सफलता मिली।

150 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 18.4 ओवरों में चार विकेट पर 152 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया। शुरूआत में बल्लेबाज इसाबेला गेज ने 15 गेंदों में 17 रन और कप्तान अमेलिया केर ने 28 गेंदों में 30 रन का बनाए। इसके बाद सोफी डिवाइन ने शानदार पारी खेलते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। मैडी ग्रीन ने भी 25 गेंदों में नाबाद 34 रन की उपयोगी पारी खेली।

दोनों बल्लेबाजों की बेहतरीन साझेदारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने 18.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और मैच अपने नाम कर लिया। सोफी डिवाइन को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब सीरीज का चौथा मुकाबला 22 मार्च को वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में होगा।

सनराइजर्स हैदराबाद को एक और झटका लगा ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल से बाहर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरूआत से पहले चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट बढ़ रही है। इसी कड़ी मेंसनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के 19वें सीजन से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलराउंडर खिलाड़ी जैक एडवर्ड्स पैर में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गए हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार 25 वर्षीय एडवर्ड्स को आईपीएल नीलामी के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह 2025 की नीलामी में साइन किए जाने वाले एकमात्र अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी थे। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करते, लेकिन अब इसके लिए उन्हें इंतजार करना होगा।

एडवर्ड्स ने इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इस ऑलराउंडर ने अब तक सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है, जिसमें उन्होंने पांच रन बनाए हैं। एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में 63 मैच खेले हैं, जिसमें 696 रन बनाए हैं और 38 विकेट लिए हैं। एडवर्ड की अनुपस्थिति सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक और झटका है, क्योंकि उनके नियमित कप्तान पैट कमिंस पहले ही चोट से उबर रहे हैं। इसके कारण वह शुरूआती कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने कमिंस की अनुपस्थित में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को कप्तान बनाया है।

सनराइजर्स हैदराबाद का सामना टूर्नामेंट के पहले मैच में 28 मार्च को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

आईपीएल के जरिये वनडे विश्व कप संभावितों को तलाशेंगे चयनकर्ता

एजेंसी
नई दिल्ली

वनडे विश्व कप में अभी एक साल का समय है लेकिन भारत के 20 संभावित खिलाड़ियों का अनुमान लगाया जा चुका है और पांचों राष्ट्रीय चयनकर्ता 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को पीटीआई को यह जानकारी दी।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति में एस एस दास, आर पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा हैं। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 अक्टूबर नवंबर में होगा।

चयन समिति के सदस्य अपने अपने बेस में मैचों के दौरान मौजूद रहेंगे जबकि बाकी मैच टीवी पर देखेंगे। आईपीएल के पहले मैच में गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। सीनियर अधिकारियों ने इन अटकलों को भी खारिज किया कि टी20 विश्व कप जीतने के बाद अगरकर ने अपना कार्यकाल 50 ओवरों के विश्व कप तक बढाने की मांग की है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, चयन समिति बीसीसीआई की एक उप समिति है और चयनकताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अजित का करार सितंबर में खत्म हो रहा है जिसके बाद बीसीसीआई सचिव और अजित तय करेंगे कि वह अगले साल वनडे विश्व कप तक रहेंगे या नहीं। एक सीनियर चयनकर्ता चार साल तक पद पर रह सकता है और उसे करार बढाने का अनुरोध करने की जरूरत नहीं है।

अगरकर जुलाई 2023 में चयन समिति के अध्यक्ष बने थे और उन्होंने विराट कोहली तथा रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टेस्ट और टी20 में बदलाव का दौर देखा है।

अगरकर मुंबई में रहते हैं जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरू और हैदराबाद में देखेंगे।

भारतीय अंडर-20 महिला टीम एशियाई कप में चुनौती के लिए तैयार : शुभांगी सिंह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दो दशकों के इंतजार के बाद, भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम का नेतृत्व करेंगी और उनका पहला मुकाबला 02 अप्रैल को जापान के खिलाफ थाईलैंड में होगा।

शुभांगी ने कहा कि टीम का फोकस अब सिर्फ क्वालीफाई करने पर नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण ग्रुप मैचों में शानदार प्रदर्शन करने पर है। भारत ग्रुप-सी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और चाइनीज ताइपेई के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप के टॉप दो और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें 2026 के फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड के लिए क्वालीफाई करेंगी। टीम वर्तमान में कोलकाता में प्रशिक्षण ले रही है और 20 मार्च की सुबह थाईलैंड के लिए रवाना होगी। शुभांगी ने कहा, तीन कठिन ग्रुप मैचों के लिए हमारा फोकस पूरी तरह तैयार है। हमें कोई आसान मैच नहीं मिलेगा। हम शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

टीम ने इस अभियान के लिए व्यापक तैयारी की है। साल की शुरूआत में स्वीडन में एक महीने का कैम्प और पिछले साल के अंत में उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैचों ने टीम को उच्च-तीव्रता वाले फुटबॉल का अनुभव दिया। शुभांगी ने बताया कि स्वीडन में यूरोपीय क्लबों के खिलाफ खेलना बेहद उपयोगी रहा। शुरूआती हार ने टीम को वास्तविकता का एहसास दिलाया, लेकिन धीरे-धीरे टीम ने बेहतर प्रदर्शन करना शुरू किया।

उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान के खिलाफ पहले और बाद में खेले गए कई मुकाबलों ने टीम को शारीरिक रूप से मजबूत विरोधियों से मुकाबला करने का अनुभव दिया। शुभांगी ने कहा, हमारे कोर खिलाड़ियों ने एक साल से अधिक समय साथ बिताया है, जिससे आपसी तालमेल और समझ मजबूत हुई है। इससे टीम की रणनीति और समन्वय बेहतर हुआ है। हैडकॉच जोआकिम एलेक्जेंडरसन के नेतृत्व में टीम ने अधिक आक्रामक और सक्रिय खेल अपनाया है। शुभांगी के अनुसार, कोच ने खिलाड़ियों को खुद को व्यक्त करने और गलती करने से डरने की बजाय खेल का आनंद लेने की सलाह दी, जिससे टीम का आत्मविश्वास और प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

अंडर-20 विश्व कप के इतिहास में छह बार विजेता जापान से पहला मुकाबला भारतीय टीम के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। शुभांगी ने कहा, जापान एक बहुत मजबूत टीम है, लेकिन हमें खेल के दौरान विपक्षी की ताकत के बारे में सोचने के बजाय अपने खेल को प्रदर्शित करना है। हमारा लक्ष्य क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना और अच्छा प्रदर्शन करना है।

शुभांगी और उनकी टीम की नजर सिर्फ प्रतियोगिता में भाग लेने पर नहीं, बल्कि शीर्ष प्रदर्शन कर जीत की उम्मीद जताने पर है। उन्होंने देशवासियों और थाईलैंड में दर्शकों से समर्थन की अपील की। कप्तान शुभांगी ने कहा, हमारी टीम हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और उम्मीद है कि भारत के लोग हमें प्रोत्साहित करेंगे। आपका समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

उपायुक्त ने प्रधान सचिव को समाधान शिविर में आई समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने का दिया आश्वासन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

प्रधान सचिव युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग श्री राजीव रंजन ने चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर में आई समस्याओं पर की गई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी उपायुक्तों को बिना विलंब के समाधान शिविर की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने प्रधान सचिव को बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान शिविर में प्रमुखता से समाधान किया जा रहा है। श्री सतपाल शर्मा ने प्रधान सचिव को शेष बची समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया।

उपायुक्त ने इसके उपरांत लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की समीक्षा की और जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। इस कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश के लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर हर जिले में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर में आई लोगों की समस्याओं व अधिकारियों द्वारा किए गए समाधान की मोनिटरिंग करते है और स्वयं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर से जुडते है। उन्होंने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस मामले में कोताही की गुंजाईश नहीं है।

इस अवसर पर एसडीएम कालका संयम गर्ग, डीआरओ कुलदीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, तहसीलदार कालका विवेक गोयल, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन जसमेर बंजारा, सत्यवान भारद्वाज, पब्लिक हेल्थ के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

उपायुक्त पंचकूला की अध्यक्षता में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत स्टीयरिंग कमेटी की मीटिंग संपन्न

पंचकूला। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत स्टीयरिंग कमेटी की मीटिंग का आयोजन उपायुक्त एवं निपुण मिशन डायरेक्टर पंचकूला श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय के सभागार में किया गया जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी संध्या मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुमन चौधरी, प्रधानाचार्य डाइट सुजाता खत्री, विभिन्न खण्डों के खंड शिक्षा अधिकारी एसपीआईयू सदस्य करण, संपर्क फाउंडेशन से प्रमोद कुमार सहित सभी स्टीयरिंग कमेटी सदस्य उपस्थित रहे। जिला एफएलएन समन्वयक असिन्द्र कुमार द्वारा पीपीटी के माध्यम से जिले की प्रगति को दर्शाया गया जिसमें सेंसेस असेसमेंट परिणामों की समीक्षा और एफएलएस स्टडी की तैयारियों की समीक्षा की गई एवं प्रवेश उत्सव के लिए कार्ययोजना तैयार की गई ताकि विद्यालयों मे नामांकन वृद्धि की दिशा मे विशेष कार्य किया जा सके। बता दें कि गत दो वर्षो में जिला पंचकूला के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की एनरोलमेंट में निरंतर वृद्धि हो रही है। उपायुक्त ने सभी उपस्थित अधिकारियों को जीरो ड्रॉप आउट की दिशा में पूर्ण निष्ठा और लगन से कार्य करने के निर्देश दिए।

निरंकारी यूथ फोरम: आध्यात्म, सेवा, खेल एवं संस्कृति के माध्यम से युवा सशक्तिकरण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/पंचकूला/कानपुर

संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित निरंकारी यूथ सिम्पोजियम (ठ ऋ्रै२) युवा वर्ग को आध्यात्मिक जागरूकता, निःस्वार्थ सेवा, शारीरिक सुदृढ़ता एवं सांस्कृतिक समृद्धि के संतुलित मार्ग पर प्रेरित कर रहा है। सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के दिव्य आशीर्वाद से निरंकारी यूथ फोरम (ठ ऋ) युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जहाँ वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाते हुए विनम्रता, अनुशासन, एकता एवं करुणा जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हैं।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा मिशन का ध्वज फहराकर कानपुर में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं को आशीर्वाद देते हुए सत्गुरु माता जी ने कहा कि इस निरंकार प्रभु ने हमें यह तन बख्शा है, इसलिए हमारा शरीर स्वस्थ रहे, मन स्वस्थ रहे और हम प्रदूषण से दूर रहें। खेलों के माध्यम से टीम स्पिरिट देखने को मिलती है—अकेले तो हर कोई जी लेता है, लेकिन सभी को साथ लेकर जीने से ही संसार सुंदर बनता है। सभी का उत्साह ऐसे ही बना रहे और अपने जीवन को भक्ति से महकाएं।

इस कार्यक्रम में पूरे उत्तर प्रदेश से 15 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में ऊर्जा, एकता एवं भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला। निरंकारी यूथ फोरम की एक विशेषता खेलों को समग्र विकास का माध्यम मानना है। आज आयोजित क्रिकेट, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स जैसी खेल गतिविधियाँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सच्चे खेलभाव जैसे महत्वपूर्ण गुणों का भी विकास करती हैं, जिससे आपभाईचारे एवं एकता की भावना को बल मिलता है।

इसके साथ ही, सांस्कृतिक एवं स्थानीय विरासत से जुड़े कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया जाता है, जिनमें संगीत, नाटक, कला एवं पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। ये प्रयास स्थानीय संस्कृति एवं इतिहास के संरक्षण एवं संवर्धन में सहायक होते हैं तथा युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। इन सभी प्रयासों के माध्यम से ठ ऋ यह संदेश देता है कि वास्तविक विकास शरीर, मन एवं आत्मा के समन्वित विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ एवं सम्मान में निहित है।

निरंकारी यूथ फोरम आज के युवाओं को जिम्मेदार, संवेदनशील, सांस्कृतिक रूप से जागरूक एवं आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे वे समाज में सकारात्मक योगदान देते हुए संतुलित एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकें।

सेंट्रल केवाईसी रजिस्ट्री पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार वित्त मंत्रालय के निदेर्शानुसार पंजाब नेशनल बैंक द्वारा स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज ,पंचकूला में सेंट्रल केवाईसी रजिस्ट्री पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़ के वित्तीय साक्षरता केंद्र एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षकों के लिए संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर राम किशोर मीणा उप महाप्रबंधक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, पंजाब ने फ्एळक्र२ एवं ऋछउ२ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये संस्थान जमीनी स्तर पर वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि ये संस्थान वित्तीय समावेशन को मजबूत करने और लोगों को जागरूक एवं सशक्त बनाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। जोगिंदर सिंह उप महाप्रबंधक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति हरियाणा ने प्रदान की जाने वाली वित्तीय साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये संस्थान लोगों को वित्तीय जागरूकता, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच एवं सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे समग्र वित्तीय प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होती है। प्रशिक्षण सत्र का संचालन अक्षय कुमार, मुख्य प्रबंधक, उएफ्रअक (भारत की प्रतिभूतिकरण, परिसंपत्ति पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित केंद्रीय रजिस्ट्री) द्वारा किया गया। एस के सिंगल, मुखय प्रबन्धक केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय बैंकर्स समिति चंडीगढ़ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ती डिजिटलाइजेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के प्रति आगाह किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षकों की क्षमता को बढ़ाना था, ताकि वे उङ उफ्से संबंधित जानकारी को प्रभावी रूप से प्रसारित कर सकें। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया, जो वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में सहायक होगा। इस अवसर पर मुख्य प्रबन्धक स्वप्निल अरोरा, विजय कुमार, शिखा तंवर, परमजीत कौर, दिनेश अरोरा सहित हरयाणा एवं पंजाब के प्रत्येक जिले से आए हुए प्रतिभागी शामिल थे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें वित्तीय जागरूकता एवं क्षमता निर्माण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई गई।

युवाओं के हित में सतत कार्य कर रही हरियाणा सरकार: नरेंद्र सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नेचर कैम्प थापली में इन दिनों हरियाणा के साथ-साथ पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इस भ्रमण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति के निकट लाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। हरियाणा एवं पंजाब के विश्वविद्यालयों के छात्र छात्राओं का नेचर कैंप थापली में शैक्षिक भ्रमण का तीसरा चरण आज से आरम्भ होकर 12 अप्रैल तक चलेगा। हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आज इसी कड़ी में पंजाब विश्वविद्यालय के छात्रों ने नेचर कैम्प थापली का भ्रमण किया तथा ट्रैकिंग गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक वातावरण को नजदीक से अनुभव किया और पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं को समझा। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नेचर कैंप थापली में आयोजित यह तीन दिवसीय विशेष शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय ट्रैकिंग कैंप के दौरान छात्र -छात्राएं प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधताए, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं को निकट से समझेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में प्रकृति के प्रति जागरूकताए जिम्मेदारी और संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र के दौरान डिप्टी रेंज अफसर विजय नेहरा और वन दरोगा भूपेन्द्र ने जलवायु परिवर्तन के वैश्विक एवं स्थानीय प्रभावों, जैव विविधता संरक्षण वन संपदा के महत्व तथा सतत विकास की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषयों पर सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचार भी व्यक्त किए। कार्यक्रम के दूसरे दिन छात्र-छात्राएं प्रकृति की गोद में ट्रैकिंग गतिविधियों में भाग लेंगे। जिसके माध्यम से वे वनस्पतियों, जैव विविधता और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अनुभव प्राप्त करेंगे। यह गतिविधि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता टीमवर्क एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने में सहायक होगी।

एसडी कॉलेज में मनाया उपलब्धियों का उत्सव, वार्षिक पुरस्कार समारोह में 1062 छात्रों को मिला सम्मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में पढ़ाई, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 1062 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एकेडमिक्स श्रेणी में 17 छात्रों को रोल ऑफ ऑनर से नवाजा गया, जबकि 337 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्रदान किए गए। वहीं, एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियों में 20 छात्रों को रोल ऑफ ऑनर, 62 को कॉलेज कलर, 39 को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट और 237 को सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन दिया गया। खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 51 छात्रों को रोल ऑफ ऑनर, 9 को कॉलेज कलर, 115 को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट और 175 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया।

वहीं, 2025-26 में पीएचडी पूरी करने पर कॉलेज के 7 शिक्षकों को भी समारोह में सम्मानित कया गया। अनुसंधान प्रोत्साहन योजना (2025झ28) के तहत 15 फैकल्टी मेंबर्स को उनके अच्छे शोध और पढ़ाई में योगदान के लिए नकद प्रोत्साहन दिया गया। मुख्य अतिथि एच. राजेश प्रसाद ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों पर बधाई दी और उन्हें हमेशा बेहतर करने की दिशा में प्रयासरत रहने के लिए प्रोत्साहित किया कॉलेज की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने पुरस्कार विजेताओं के प्रयासों की सराहना की और छात्रों से अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ अनुशासन, ईमानदारी और सेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सत्र 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि कॉलेज ने एनआईआरएफ रैंकिंग में 70वां स्थान प्राप्त किया है और आउटलुक, इंडिया टुडे और द वीक जैसी रैंकिंग में (दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर) उत्तरी भारत में प्रथम स्थान हासिल किया है। डॉ. अजय शर्मा ने यह भी बताया कि इंफ्रास्ट्रक्टर डेवलपमेंट के लिए कॉलेज को पीएम-उषा योजना (पूर्व में रूसा) के तहत 5 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में सक्रिय शोध संस्कृति की झलक लगभग 100 फैकल्टी मेंबर्स के प्रकाशित पुस्तकों और शोध पत्रों से मिलती है, जबकि आठ शिक्षकों ने अपनी पीएचडी पूरी की है। वर्तमान में कॉलेज विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर, व्यावसायिक, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और ऐड-ऑन प्रोग्राम्स ऑफर करता है और सफलतापूर्वक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू किया है।

युवा ही राष्ट्र निर्माण की सशक्त धुरी: डॉ. बृजपाल

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

सेक्टर-1 स्थित गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। भारत और डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर आधारित इस शिविर का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व एवं तकनीकी दक्षता की दिशा में प्रेरित करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शैलजा छाबड़ा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बृजपाल, संयुक्त निदेशक, हरियाणा कौशल विकास निगम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरविंद द्विवेदी, जिला एनएसएस समन्वयक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना एवं एनएसएस गीत के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में श्रद्धा और उत्साह का संचार हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने शिविर की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि आगामी सात दिनों में स्वच्छता, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। मुख्य अतिथि डॉ. बृजपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा वर्ग राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है और एनएसएस जैसे मंच उन्हें सेवा, अनुशासन एवं नेतृत्व के गुणों से समृद्ध करते हैं। विशिष्ट अतिथि अरविंद द्विवेदी ने भी स्वयंसेवकों को समाज सेवा के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत पॉलीथीन मुक्त पर्यावरण विषय पर एक विशेष व्याख्यान आई हेट पॉलीथीन की प्रमुख पूजा अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं ईको-फ्रेंडली विकल्पों के उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम | कार्यक्रम का उद्देश्य काउंसलरों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समझ को बढ़ाना था

स्कूलों एवं बाल देखभाल संस्थानों के बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य विषय पर काउंसलरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

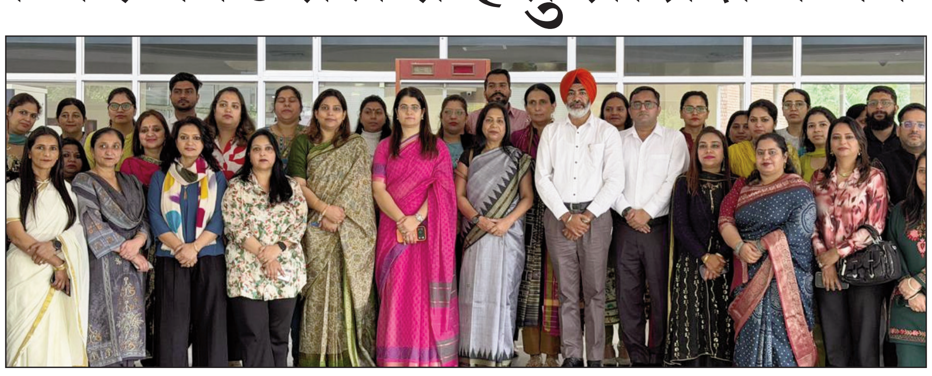

केंद्र शासित प्रदेश बाल संरक्षण सोसायटी सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के तत्वावधान में, चंडीगढ़ इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन, योजना एवं वित्त विभाग के सहयोग से, स्कूलों एवं बाल देखभाल संस्थानों के बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य विषय पर काउंसलरों हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन यू.टी. स्टेट गेस्ट हाउस, सेक्टर-6, चंडीगढ़ में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में यू.टी., चंडीगढ़ के स्कूलों एवं बाल देखभाल संस्थानों में कार्यरत 61 काउंसलरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य काउंसलरों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समझ को बढ़ाना, जागरूकता का विस्तार करना तथा बच्चों के प्रति अधिक संवेदनशील और सक्षम प्रतिक्रिया देने की क्षमता को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य डॉ. पालिका अरोड़ा, पीसीएस, निदेशक, सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विशेषज्ञों में जीएमसीएच-32 से डॉ. करुणा सिंह (प्ले थेरेपिस्ट) एवं डॉ. मनरीत (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट), सुश्री बिस्मन आहूजा (प्रोग्राम मैनेजर), श्री एम.एस. कांग (सोशल सेफ्टी एवं प्रोटेक्शन एक्सपर्ट) तथा श्री भूपिंदर भारद्वाज (ऑपरेशन एक्सपर्ट), चंडीगढ़ इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन उपस्थित रहे।

अपने मुख्य वक्तव्य में डॉ. पालिका अरोड़ा ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को परीक्षा तनाव, चिंता एवं सामाजिक दबाव जैसी बढ़ती मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो अक्सर व्यवहार संबंधी समस्याओं के रूप में सामने आती हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के अंतर्गत तैयार किए जा रहे काउंसलर मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे और स्कूलों एवं सीसीआई में शिक्षकों एवं अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित कर बच्चों की समस्याओं की समय रहते पहचान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि काउंसलरों की भूमिका एक संवेदनशील श्रोता के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा समय पर पहचान और हस्तक्षेप बच्चों में आत्मविश्वास, लचीलापन एवं समग्र विकास को बढ़ावा देने में सहायक होता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ सत्रों का आयोजन भी किया गया। डॉ. करुणा सिंह, प्ले थेरेपिस्ट, मनोचिकित्सा विभाग, जीएमसीएच-32 ने बाल एवं किशोर मानसिक विकारों, उनके लक्षण, कारण, जोखिम एवं सुरक्षा कारकों तथा प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं, डॉ. मनरीत, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट ने काउंसलरों के लिए परामर्श एवं हस्तक्षेप रणनीतियों पर सत्र लिया, जिसमें समूह चर्चा एवं रोल प्ले भी शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, डॉ. रचना श्रीवास्तव, हेल्थ, न्यूट्रिशन एवं वेल-बीइंग एक्सपर्ट, चंडीगढ़ इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन ने बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र विकास पर सत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कल्याण विभाग द्वारा संचालित एनएसडीसी प्रमाणित कौशल विकास पाठ्यक्रमों के बारे में भी जानकारी श्री सुशांत कालिया, ट्रेनिंग असिस्टेंट, सीसीडब्ल्यूडीसी द्वारा दी गई। यह कार्यक्रम बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं काउंसलरों की क्षमता सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन 26 मार्च को होगी रवाना

पंचकूला। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पात्र वृद्धजन लाभार्थियों को निशुल्क तीर्थ स्थानो पर यात्रा करवाई जाती है। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार द्वारा पात्र वृद्धजनों को अयोध्या स्थित राम मंदिर के दर्शन करवाने के लिए 26 मार्च को विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विनय वत्स ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत यात्रा करने के इच्छुक वृद्धजन 22 मार्च तक पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। इस योजना के लिए पात्र लाभार्थी की आयु 60 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। वह हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए। इसके अलावा उसकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार से कम होनी चाहिए।

चैत्र नवरात्र मेले के दूसरे दिन तीनों मंदिरों में आया 24 लाख 7 हजार 904 रुपये चढ़ावा

पंचकूला। चैत्र नवरात्र मेले के दूसरे दिन आज श्री माता मनसा देवी मंदिर, श्री काली माता मंदिर कालका व चंडी माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने कुल 24 लाख 07 हजार 904 रुपए की राशि दान स्वरूप अर्पित की। माता मनसा देवी मंदिर में 27,500 श्रद्धालुओं, काली माता मंदिर कालका में 5000 और चंडी माता मंदिर में 1000 श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। उपायुक्त एवं श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री सतपाल शर्मा ने बताया की श्री माता मनसा देवी मंदिर में 18 लाख 49 हजार 334 रुपये, श्री काली माता मंदिर कालका में 1 लाख 89 हजार 860 रुपये और चंडी माता मंदिर में 3 लाख 68 हजार 710 रुपये दान स्वरूप अर्पित किए गए। इसके अलावा श्री माता मनसा देवी मंदिर में चांदी के 34 नग और काली माता मंदिर कालका में चाँदी के 4 नग भी दान स्वरूप अर्पित की गये।

विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारी हेतु निर्वाचन अधिकारियों/कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित

चंडीगढ़। जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शो पर आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में एक व्यापक प्रशिक्षण सत्र दिनांक 18.03.2026 को यूटी सचिवालय ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं बीएलओ सुपरवाइजरों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, पूर्व में आयोजित चरणों के दौरान द्वारा जारी दिशा-निदेर्शो के अनुरूप आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान रक्फ्र की सभी प्रमुख प्रक्रियाओं को पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विस्तारपूर्वक समझाया गया। इनमें गणना चरण, दावे एवं आपत्तियां, नोटिस जारी करना एवं उनका निस्तारण तथा प्रारूप एवं अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन शामिल रहे। प्रशिक्षण सत्र में राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर राज्य स्तर के मास्टर ट्रेनर एवं निर्वाचन विभाग, चंडीगढ़ के प्रोग्रामर द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी एवं प्रक्रियात्मक स्पष्टता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, यह भी रेखांकित किया गया कि प्रत्येक चरण में सभी संबंधित अधिकारियों–मुख्य निर्वाचन अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित एवं प्रलेखित की जानी चाहिए। रक्फ्र प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं समावेशिता सुनिश्चित करने हेतु मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें आयोजित किए जाने की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण सत्र के अंत में अतिरिक्त उपायुक्त-सह-निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए समयबद्ध तैयारियों के महत्व पर बल दिया। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सफल आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित की जाएं।

तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के पहले दिन स्वामी विवेकानन्द दिवस के रूप में मनाया गया

चंडीगढ़। रामकृष्ण मिशन आश्रम, चंडीगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के प्रथम दिन को स्वामी विवेकानन्द दिवस के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ आश्रम के सचिव स्वामी भितिहरानंदजी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने बताया कि आश्रम वर्ष 1958 से मूल्याधारित शिक्षा, आध्यात्मिक शिविर, आसपास के गाँवों के लिए चलित चिकित्सालय, छात्रावास तथा पुस्तकालय के माध्यम से समाज की सेवा कर रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के उपदेशों के अनुसार हृदय में दृढ़ता, प्रेम और सेवा भाव धारण करने का आान किया। मुख्य अतिथि श्री एच. राजेश प्रसाद, आईएएस, मुख्य सचिव, यू.टी. चंडीगढ़ ने कहा कि यद्यपि विद्यालयी पाठ्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द के जीवन का विस्तृत वर्णन नहीं मिलता, परंतु उनका साहित्य हम सभी के लिए उपलब्ध है, जिससे हम प्रेरणा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामीजी ने सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों को जनसामान्य तक पहुँचाया। उन्होंने ईश्वर को केवल मंदिरों में सीमित न मानकर प्रत्येक मनुष्य में देखा तथा समस्त लोककल्याण का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं के लिए स्वामीजी का विशेष संदेश – अपने ऊपर विश्वास – को स्मरण करते हुए कहा कि उनके आदर्शों का पालन करने से भारत अपनी खोई हुई महिमा पुनः प्राप्त करेगा। इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध लेखन तथा समूह चर्चा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में चंडीगढ़ तथा आसपास के क्षेत्रों के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था।